CMYK

RNI.No. — GUJHIN/2012/45192

सूरत भूमि

हिन्दी दैनिक

संपादक : संजय आर. मिश्रा

श्री 1008 महामंडलेश्वर
श्री स्वामी रामानंद दासजी महाराज
श्री रामानंद दास अन्नक्षेत्र सेवा ट्रस्ट, तपोवन आश्रम

स्व. पं. पू.1008 श्री रामानन्द जी
तपोवन मंदिर, मोरा गांव, सूरत

वर्ष-10 अंक: 92 ता. 04 अक्टूबर 2021, सोमवार कार्यालय:114, न्यु प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेंट, डिंडोली, डिंडोली, उधना सूरत (गुजरात) मो। 9327667842, 9825646069 पृष्ठ: 8 कीमत: 2:00 रुपये

ho@suratbhumi.com /Suratbhumi.com /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi

दिल्ली : आंदोलन पर सुप्रीम कोर्ट सख्त

कोर्ट ने किसानों से कहा- आपने पूरे शहर का दम घोंट दिया, आम लोगों को भी आवाजाही का हक है

नई दिल्ली। कृषि कानूनों के विरोध में दिल्ली के जंतर-मंतर पर प्रदर्शन करने की इजाजत मांग रहे किसान संगठनों को सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को फटकार लगाई है। सख्त टिप्पणी करते हुए कोर्ट ने कहा कि आपने पूरे दिल्ली शहर का दम घोंट दिया है। हाईवे जाम कर दिया है। संगठन ने कहा था कि जंतर-मंतर पर शांतिपूर्ण और अहिंसक विरोध प्रदर्शन करने के लिए 200 किसानों को एकजुट होने की अनुमति दी जाए। इसके जवाब में बाद कोर्ट ने कहा कि पूरे शहर का दम घोंटने के बाद आप शहर के अंदर आना चाहते हैं। यहां रहने वाले नागरिक क्या इस प्रदर्शन से खुश हैं? ये गतिविधियां रुकनीं चाहिए।

जस्टिस एएम खानविलकर की अध्यक्षता वाली पीठ ने कहा कि किसी कानून को अदालतों में चुनौती देने के बाद कोर्ट पर विश्वास करना चाहिए। आपको विरोध-प्रदर्शन का अधिकार है, लेकिन नेशनल हाईवे ब्लॉक होने के चलते लोगों को परेशानी में नहीं डाला जा सकता है। इस मामले में सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को भी कहा था कि प्रदर्शनकारी हर रोज हाईवे को कैसे ब्लॉक कर सकते हैं? अधिकारियों की ड्यूटी है कि वे कोर्ट द्वारा तय की गई व्यवस्था को लागू कराएं। केंद्र सरकार को सुप्रीम कोर्ट ने इस बात की इजाजत दे दी है कि वह किसान संगठनों को इस मामले में पक्षकार बनाए। कोर्ट ने कहा कि जो भी समस्या है, उसका समाधान जूडिशियल फोरम या संसदीय चर्चा से निकाला जा सकता है। बता दें नोएडा की एक महिला ने सुप्रीम कोर्ट में अर्जी दाखिल कर कहा है कि दिल्ली बॉर्डर ब्लॉक किए जाने से नोएडा से दिल्ली पहुंचने में 20 मिनट के बजाय दो घंटे लगते हैं और यह एक बुरे सपने की तरह है। सुप्रीम कोर्ट ने अगस्त में सरकार से समाधान तलाशने को कहा था सुप्रीम कोर्ट ने 23 अगस्त को भी कहा था कि किसानों को प्रदर्शन का अधिकार है, लेकिन सड़कें अनिश्चितकाल के लिए बंद नहीं कर सकते। कोर्ट ने केंद्र और राज्य सरकारों से इस समस्या का हल खोजने के लिए भी कहा था। कोर्ट ने सरकारों से कहा था कि कृषि कानूनों के खिलाफ किसानों का जो प्रदर्शन हो रहा है उससे राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में लोगों को आवाजाही में हो रही परेशानी का समाधान करें।

संक्षिप्त खबरें

मुख्तार अंसारी को बांदा जेल में जान का खतरा? सीसीटीवी फुटेज की डिमांड

आगरा। 22 साल पुराने धोखाधड़ी के मामले में बांदा जेल में बंद मुख्तार अंसारी के मामले में अब विशेष न्यायाधीश एमपी-एमएलए नीरज गौतम की अदालत में आठ अक्तूबर को सुनवाई होगी। गुरुवार को मुख्तार की ओर से अधिवक्ता ने प्रार्थना पत्र प्रस्तुत किया। इसमें जेल में जान का खतरा जताते हुए चार माह की बांदा जेल के गेट की जीडी/गेट बुक और सीसीटीवी फुटेज तलब करने की मांग की। अभियोजन की ओर से शासकीय अधिवक्ता ने प्रार्थना पत्र पर आपत्ति के लिए समय मांगा। मामले में मुख्तार की वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से पेशी हो रही है। वहीं मुख्तार अंसारी पर अभी आरोप तय नहीं हो सके। मुख्तार की ओर से गुरुवार को वरिष्ठ अधिवक्ता डॉ. रवि अरोरा ने प्रार्थना पत्र प्रस्तुत किया। इसमें आरोप लगाया कि शासन व प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारियों की शह पर कुछ लोग बिना लिखा-पढ़ी के जेल में आते हैं, जिनसे मुख्तार को अपनी जान का खतरा है और जिन मुकदमों में मुख्तार गवाह है उनके अभियुक्तों से भी उसे खतरा है। पूर्व में भी मुख्तार अपने खाने में जहर मिलाकर हत्या का खतरा जता चुका है। उसकी सुरक्षा को लेकर कड़े कदम उठाए जाने की मांग की। वहीं अभियोजन की ओर से सहायक जिला शासकीय अधिवक्ता शशि शर्मा ने प्रार्थना पत्र पर आपत्ति के लिए समय मांगा। प्रार्थना पत्र दिया कि मामले से जुड़े तथ्य प्रस्तुत करने के लिए केस डायरी का अध्ययन करना है। इसलिए समय दिया जाए। मामले में अब अगली सुनवाई आठ अक्तूबर को होगी। बता दें कि विधायक मुख्तार अंसारी वर्ष 1999 में सेंट्रल जेल आगरा में बंद थे।

पंजाब का घमासान: सियासी संग्राम के बीच

पीएम से मिलने पहुंचे सीएम चरणजीत चन्नी

नई दिल्ली। पंजाब कांग्रेस में मचे तूफान के बीच राज्य के नए मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी ने आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मिलने दिल्ली पहुंचे। बताया जा रहा है कि सीएम चन्नी ने प्रधानमंत्री मोदी से एक अक्तूबर से राज्य में धान की खरीद स्थगित करने के केंद्र के पत्र को वापस लेने के संबंध में मुलाकात करने पहुंचे। यह मुलाकात ऐसे वक्त पर हो रही है जब पंजाब कांग्रेस में घमासान मचा हुआ है। इससे पहले गुरुवार रात को पंजाब प्रदेश कांग्रेस प्रधान नवजोत सिंह सिद्धू के इस्तीफे और नाराजगी का मसला हल कर लिया गया। पंजाब भवन में तीन घंटे से भी अधिक समय तक चली बैठक में हाईकमान के पर्यवेक्षक हरीश चौधरी और मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी ने अहम भूमिका निभाई। नवजोत सिंह सिद्धू तीन सदस्यीय कमेटी के गठन पर सहमत हो गए हैं और उनके इस्तीफे को हाईकमान ने नामंजूर कर दिया है। इस तरह सिद्धू अब प्रदेश कांग्रेस के प्रधान बने रहेंगे। हालांकि कांग्रेस पार्टी और किसी नेता की तरफ से कोई अधिकारिक बयान जारी नहीं हुआ लेकिन पता चला है कि विवाद इस मुकाम पर आकर हल हुआ कि मुख्यमंत्री चन्नी ने अधिकारियों को हटाने की सिद्धू की मांग को यह कहकर ठंडे बस्ते में डाल दिया कि भविष्य में इस तरह के मामलों में सिद्धू की भी राय ली जाएगी। कांग्रेस के अंदरूनी सूत्रों के अनुसार पार्टी हाईकमान ने पंजाब मामलों के प्रभारी हरीश रावत के निवेदन को आखिरकार सुन लिया है। उत्तराखंड चुनाव को देखते हुए पार्टी ने हरीशे रावत को पंजाब की जिम्मेदारी से मुक्त करके उत्तराखंड में काम संभालने का फैसला किया है।

अब शिवसेना ने कसा सहयोगी दल पर तंज

बिना सिर के शरीर का क्या फायदा, कांग्रेस को अध्यक्ष की जरूरत

नई दिल्ली। शिवसेना ने कहा है कि कांग्रेस पार्टी को पूर्णकलिक अध्यक्ष की जरूरत है। पार्टी ने कहा कि कांग्रेस में नेतृत्व को लेकर व्याप्त भ्रम पंजाब में राजनीतिक संकट के लिए उतना ही जिम्मेदार है, जितना कि भाजपा। महाराष्ट्र में सत्तारूढ़ शिवसेना ने दावा किया कि राहुल गांधी हालांकि कांग्रेस पार्टी में कई मुद्दों का समाधान करने की कोशिश कर रहे हैं लेकिन पार्टी के पुराने नेताओं का उन्हें रोकने के लिए भाजपा के साथ गुप्ता समझौता है और इसलिए वे पार्टी को डुबाने के लक्ष्य के साथ काम कर रहे हैं। शिवसेना ने अपने मुखपत्र 'सामना' के संपादकीय में लिखा है, "कांग्रेस को पूर्णकालिक अध्यक्ष की जरूरत है। बिना सिर के शरीर का क्या फायदा? .कांग्रेस बीमार है और उसका इलाज करना चाहिए, लेकिन इलाज सही है या गलत उसकी समीक्षा की जानी चाहिए।" संपादकीय में शिवसेना ने आरोप लगाते हुए कहा, "राहुल गांधी किले की मरम्मत करना चाहते हैं। किले का रंग-रोगन करने का प्रयास कर रहे हैं। सीलन, गड्ढों को भरना चाहते हैं, परंतु पुराने लोग राहुल गांधी को ऐसा करने नहीं दे रहे। राहुल गांधी को रोकने के लिए इन लोगों ने अंदर से भाजपा जैसी पार्टी से हाथ मिला लिया है, ऐसा अब पक्का हो गया है। कांग्रेस को डुबाने की सुपारी कांग्रेसियों ने ही ली है। यह मान्य है, परंतु कांग्रेस को स्थायी अध्यक्ष दो। पार्टी का सेनापति नहीं है तो लड़ें कैसे?" शिवसेना ने कहा, "पुराने दिग्गज कांग्रेसियों की यह मांग भी गलत नहीं है। कांग्रेस पार्टी में नेता कौन है यह सवाल ही है। गांधी परिवार है, परंतु नेता कौन? अध्यक्ष कौन? इस बारे में भ्रम होगा, तो उसे दूर करना चाहिए।" गौरतलब है कि महाराष्ट्र में उद्धव ठाकरे की नेतृत्व वाली शिवसेना कांग्रेस और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) के साथ मिलकर महा विकास आघाड़ी सरकार चला रही है। सामना ने लिखा है, "पंजाब में दलित मुख्यमंत्री बनाना राहुल गांधी का जोरदार फैसला है, उसे उनके प्रिय सिद्धू ने रोक दिया।

वाराणसी से चुनाव अभियान की शुरूआत करेंगी प्रियंका

हफ्ते में पांच दिन यूपी में बिताएंगी

वाराणसी। उत्तर प्रदेश के आगामी विधानसभा चुनाव के लिए कांग्रेस अपने प्रचार अभियान की शुरूआत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संसदीय क्षेत्र वाराणसी से करेगी। 10 अक्टूबर को कांग्रेस की महासचिव प्रियंका गांधी वाराणसी के जगतपुर इंटर कॉलेज के मैदान में जनसभा के साथ चुनाव अभियान का बिगुल फूंकेंगी। शुक्रवार को उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी की ओर से निर्देश मिलने के बाद वाराणसी में पार्टी के नेताओं और कार्यकताओं ने तैयारियां जोर-शोर शुरू कर दी है। पूरे प्रदेश से कार्यकताओं को यहां बुलाया जा रहा है। 2022 के उत्तर प्रदेश के विधानसभा चुनाव के लिए कांग्रेस के प्रचार अभियान की इस पहली जनसभा में कांग्रेसियों से जीजान से जुटने का आह्वान प्रदेश कांग्रेस कमेटी की ओर से किया गया है। प्रदेश अध्यक्ष अजय कुमार लल्लू ने सभी जिलाध्यक्षों और पदाधिकारियों से अपील की है कि वह ज्यादा से ज्यादा कार्यकताओं के साथ आकर जनसभा को सफल बनाएं। बताया जा रहा है कि जनसभा के बहाने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संसदीय क्षेत्र में अपना दमखम दिखाकर प्रियंका यह संदेश देना चाह रही हैं कि भाजपा से कोई लड़ सकता है तो वह कांग्रेस ही है। मिशन 2022 के लिए प्रियंका गांधी ने बड़ी तैयारी की है। कांग्रेस ने अभियान के लिए रणनीति भी तय कर ली है। अब प्रियंका गांधी हफ्ते में पांच दिन यूपी में ही बिताएंगी। प्रवास के दौरान प्रियंका गांधी यूपी में चुनावी तैयारियों को परखेंगी। वह बैठकें, रैलियां और जनसंपर्क करेंगी। कांग्रेस ने यूपी चुनाव के लिए जो रणनीति तैयार की है उस पर वह हर पल नजर रखेंगी।

स्वच्छ भारत मिशन अर्बन 2.0 हुआ लॉन्च

पीएम बोले गर्व से भर देने वाली है यात्रा, मिशन भी, मान भी, मयार्दा भी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सबसे महात्वाकांक्षी योजनाओं में से एक स्वच्छ भारत मिशन के दूसरे चरण का आज आगाज हो गया। नई दिल्ली स्थित डाक्टर आंबेडकर इंटरनेशनल सेंटर में आयोजित कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहो कि 2014 में देशवासियों ने भारत को खुले में शौच से मुक्त करने का बनाने का संकल्प लिया था। इसके तहत 10 करोड़ से ज्यादा शौचालयों का निर्माण किया गया। अब ह्यस्वच्छ भारत मिशन-अर्बन 2.0 का लक्ष्य है कचड़ा मुक्त शहर। यानी शहर को कचरे के ढेर से पूरी तरह मुक्त बनाना। बता दें, अभियान का दूसरा चरणे स्वच्छ भारत मिशन अर्बन 2.0 और अमृत 2.0 को शहरों को कचड़ा मुक्त पर पानी को सुरक्षित करने के लिए डिजाइन किया गया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि 2014 में जब देश ने अभियान शुरू किया था तब हर दिन पैदा होने वाले वेस्ट का 20 प्रतिशत से भी कम प्रोसेस होता था। आज हम करीब 70 प्रतिशत डेली वेस्ट प्रोसेस कर रहे हैं। अब हमें इसे 100 प्रतिशत तक लेकर जाना है। उन्होंने कहा कि मिशन 2.0 के तहत हमें शहरों से कूड़े के पहाड़ों को आधुनिक तकनीकि के जरिए खत्म करना है। यह भी ध्यान देना हे कि सीवेज सिस्टम दुरुस्त हो और घरों से निकलने वाला गंदा पानी नदियों में न मिले। मिशन 2.0 इसी पर आधारित होगा। पीएम मोदी ने कहा कि यह देश की एक महात्वाकांक्षी योजना है और मातृभूमि के लिए अप्रतिम प्रेम भी है। इसमें मिशन भी है, मान भी है, मयार्दा भी है। उन्होंने कहा कि स्वच्छ भारत अभियान और अमृत मिशन की अब तक की यात्रा हर देशवासी को गर्व से भर देने वाली है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि स्वच्छ भारत मिशन और अमृत मिशन का अलगा चरण, बाबा साहेब के सपनों को पूरा करने की दिशा में अहम कदम होगा। क्योंकि वे असमानता को दूर करने का सबसे बड़ा माध्यम शहरी विकास को मानते थे। प्रधानमंत्री ने कहा कि मुझे खुशी होती है कि स्वच्छता अभियान का बीड़ा हमारे युवा उठा रहे हैं। टॉफी के रैपर अब जमीन पर नहीं फेंके जाते, बल्कि जेब में रखे जाते हैं। छोटे-छोटे बच्चे, बड़ों को टोकते हैं कि गंदगी मत करिए। स्वच्छता हर किसी का, हर दिन, हर पखवाड़े और हर साल पीढ़ी दर पीढ़ी चलने वाला अभियान है। स्वच्छता जीवनशैली है, जीवन मंत्र है।

झज्जर में हंगामा: दुष्यंत चौटाला को काले झंडे दिखाने पहुंचे किसान

झज्जर। नेहरू कॉलेज में शुक्रवार को स्वयं सहायता समूह को बायोमेट्रिक मशीन उपलब्ध कराने के लिए आ रहे उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला के दौरे के विरोध में किसान काले झंडे लेकर पहुंच गए। इस दौरान उन्हें रोकने के लिए भारी पुलिस बल तैनात है। पुलिस और किसान आमने-सामने डटे हुए हैं। किसानों पर पुलिस की तरफ से पानी की बौछारें की और कुछ किसानों को पकड़कर बस में भी बैठा लिया गया, लेकिन कुछ देर बाद ही उन्हें छोड़ दिया गया। फिलहाल किसान सड़क पर बैठे हुए हैं। जिला प्रशासन की तरफ से एसपी, डीसी, एडीसी भी मौके पर पहुंचे हैं। उप मुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला राजकीय नेहरू महाविद्यालये पहुंच चुके हैं। उप मुख्यमंत्री के आने से पहले उनको काले झंडे दिखाने के लिए 15 किसान कॉलेज के गेट के सामने पहुंच गए। एसपी राजेश दुग्गल व डीसी श्यामलाल पुनिया के आदेश के बाद बाकी किसान कॉलेज से पहले ही रोक दिए गए और 15 किसान कॉलेज के सामने बैठ गए। वहीं कबलाना की तरफ से कुछ किसान पुलिस लाइन पर स्थित हेलीपैड के पास भी पहुंचे थे।

सुरक्षाबलों को मिली बड़ी कामयाबी, लश्कर-ए-तैयबा का एक आतंकी गिरफ्तार

जम्मू। जम्मू-कश्मीर में पुलवामा पुलिस और सुरक्षकर्मियों ने आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा से जुड़े एक आतंकी को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार किए गया आतंकी निकोलोरा का रहने वाला है और उसका नाम शमीम सोफी है। वहीं इस दौरान सुरक्षाबलों ने हथियार और गोला-बारूद सहित आपत्तिजनक सामग्री बरामद की है। गौरतलब है कि जम्मू-कश्मीर के शोपियां में शुक्रवार सुबह आतंकियों और सुरक्षाबलों के बीच मुठभेड़ में एक दहशतगर्द मारा गया। मारे गए आतंकी की पहचान नहीं हो पाई है। आपको बता दें कि सेना और सुरक्षा बलों की सख्ती से बौखलाए आतंकी नागरिक ठिकानों के साथ-साथ सेना के लोगों को भी अपना निशाना बनाते हुए हमला कर रहे हैं। हालांकि अभी इस मुठभेड़ के बार में कोई विस्तृत जानकारी नहीं मिली है। पाकिस्तानी सेना, पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई और आतंकी संगठन लश्कर ए तैयबा कश्मीर में जिहाद के नाम पर आतंक फैलाने का जाल बुन रहे हैं। आतंकी संगठन मजबूर और गरीब तबके के युवाओं को टारगेट कर उनकी मजबूरी का फायदा उठाते हैं। यह खुलासा उत्तरी कश्मीर के सीमांत जिले बारामुला के उड़ी सेक्टर में कुछ दिन पहले दबोचे गए लश्कर के पाकिस्तानी आतंकी बाबर ने किया है। बाबर ने पूछताछ में बताया कि वह दीपालपुर का रहने वाला है। उसके परिवार में विधवा मां और एक गोद ली हुई बहन है। परिवार निम्न वर्ग से ताल्लुक रखता है जो बमुश्किल अपने दोनों वक्त की रोटी को पूरा कर पाता है।

नरेंद्र गिरी केस: सीबीआई ने की भाजपा नेता की पत्नी से कई घंटे पूछताछ, कराई थी दो लड़कियों की शादी

प्रयागराज। अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष नरेंद्र गिरि की मौत की गुत्थी सुलझाने के लिए कड़ी से कड़ी जोड़ रही सीबीआई ने भाजपा के एक नेता की पत्नी से कई घंटे पूछताछ की है। अल्लापुर के रहने वाले भाजपा नेता अपनी पत्नी संग सीबीआई के बुलावे पर पहुंचे थे। दोनों को पुलिस लाइन गेस्ट हाउस में गोपनीय तरीके से बुलाया गया। सीबीआई अफसरों ने पति-पत्नी से दर्जनों सवाल पूछे। पति-पत्नी का मठ बाघंबरी गद्दी में काफी आना-जाना था। बताया जा रहा है कि यह दंपती नरेंद्र गिरि और आनंद गिरि के काफी करीबी रहा है। मठ में आने-जाने के साथ ही मोबाइल पर हुई बातचीत को लेकर भी सीबीआई अधिकारियों ने इनसे सवाल जवाब किए हैं। खास यह कि भाजपा नेता की पत्नी से पूछताछ के दौरान ही सीबीआई टीम भाजपा नेताओं से जुड़ी एक और अन्य महिला को लेकर भी पुलिस लाइन पहुंची। दूसरी महिला का सामना सीबीआई अधिकारियों ने भाजपा नेता की पत्नी से कराया। दोनों को सामने बैठाकर पूछताछ के बाद उनका बयान भी रिकार्ड किया गया। सीबीआई ने जिस दूसरी महिला को पूछताछ के लिए बुलाया था, उसकी कड़ी नरेंद्र गिरि के मोबाइल से जुड़ी बतायी जा रही है। हालांकि यह साफ नहीं हो सका कि दोनों महिलाओं का मठ बाघंबरी की जमीन खरीद से वास्ता रहा है या फिर नरेंद्र गिरि और आनंद गिरि के बीच विवाद और सुलह समझौते को लेकर उनकी बातचीत होती रही है। करीब ढाई से तीन घंटे लंबी पूछताछ के बाद सीबीआई ने दोनों महिलाओं को वापस भेज दिया। दोनों को हिदायत दी गई है कि वह इस संबंध में किसी से कोई बात न करें। अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष नरेंद्र गिरि समाजिक सरोकार से भी जुड़े रहे हैं। बताते हैं कि कई साल पहले उन्होंने गांव की दो लड़कियों की शादी अपने खर्च पर कराई थी। दोनों का विवाह मठ के कर्मचारियों के साथ हुआ था। दोनों लड़कियों के लिए सिविल लाइंस के नामी ज्वैलरी शोरूम से जेवर खरीदे गए थे। यह मामला भी सीबीआई तक तक पहुंच गया है। इसे लेकर भी पूछताछ हो सकती है। महंत की मौत के मामले में छानबीन कर रही सीबीआई की टीम एक पूर्व केंद्रीय मंत्री के करीबी भाजपा नेता से पूछताछ कर सकती है। सूत्रों के मुताबिक गुरुवार सुबह सीबीआई ने भाजपा नेता के संबंध में जानकारी जुटाई है। भाजपा नेता के संत नरेंद्र गिरि से करीबी संबंध रहे हैं, हालांकि सीबीआई का फोकस संपत्ति से जुड़े बिंदू पर हो सकता है इसकी वजह भाजपा नेता का संपत्ति के कारोबार से जुड़ा होना है।

देश में राजनीतिक सुविधा के लिए धर्मनिरपेक्षता का इस्तेमाल किया गया: नकवी

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

केंद्रीय मंत्री मुख्तार अब्बास नकवी ने रविवार को विपक्षी दल पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि देश में अधिकांश समय तक सत्ता सुख भोगने वाले राजनीतिक दलों ने धर्मनिरपेक्षतावाद को अपनी सियासी सुविधा का साधन बनाकर ''बांटो और राज करो'' का रास्ता अपनाया। भारतीय बौद्ध संघ द्वारा आयोजित ''सामाजिक समरसता एवं महिला सशक्तिकरण तथा पंडित दीनदयाल स्मृति सम्मान कार्यक्रम'' को यहां संबोधित करते हुए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता ने कहा कि ऐसी तमाम ''साजिशों'' के बावजूद भारतीय संस्कृति, संस्कार और संविधान ने किसी भी परिस्थिति में अनेकता में एकता की डोर कमजोर नहीं होने दी।

अल्पसंख्यक मामलों के केंद्रीय मंत्री ने कहा, ''समावेशी विकास के रास्ते में कई बाधाएं आयी लेकिन विविधता में एकता की हमारी ताकत ने देश को समृद्धि के रास्ते पर आगे बढ़ने से रुकने नहीं दिया।'' उन्होंने कहा कि लोग आजादी की 75वीं वर्षगांठ मना रहे हैं लेकिन उन्हें ''बंटवारे की विभीषिका'' भी याद रखनी चाहिए। उन्होंने कहा, ''हमें यह याद रखना चाहिए कि बंटवारे की विभीषिका के लिए कौन जिम्मेदार था। हमें यह याद रखने की जरूरत है कि लोगों ने अपने संकीर्ण राजनीतिक स्वार्थों के लिए भारत के हितों की बलि देने की साजिश की थी।'' नकवी ने कहा कि भगवान बुद्ध का आध्यात्मिक मानवतावाद एवं कर्म प्रधान जीवन का सार्थक संदेश आज भी मानवता के लिए सशक्त सीख है।

उन्होंने कहा कि सैकड़ों भाषाएं, धर्म, क्षेत्र, जीवन शैलियां होने के बावजूद भारत अपनी संस्कृति, संस्कार और मजबूत संवैधानिक मूल्यों के कारण एकजुट है। उन्होंने कहा कि पिछले सात वर्षों में मोदी सरकार ने संवैधानिक मूल्यों के संकल्प के साथ समावेशी सशक्तिकरण के लिए काम किया है। उसने अल्पसंख्यकों समेत समाज के सभी वर्गों का ''सम्मान के साथ सशक्तिकरण'' सुनिश्चित किया है। एक बयान के अनुसार, केंद्रीय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल और जॉन बारला, भारतीय बौद्ध संघ के अध्यक्ष भंते संघप्रिय राहुल और शिक्षा, समाज, संस्कृति, स्वास्थ्य तथा अन्य वर्गों के कई अन्य धार्मिक नेता भी इस मौके पर उपस्थित रहे।

जीत के बाद ममता ने किया जनता का धन्यवाद, भाजपा की प्रियंका बोलीं- इस खेल की मैन ऑफ द मैच मैं हूं

नई दिल्ली। भवानीपुर उपचुनाव में ममता बनर्जी के खिलाफ अपनी किस्मत आजमाने वाली भाजपा की प्रियंका टिबरेवाल ने हार के बाद बड़ा बयान दिया है। प्रियंका टिबरेवाल ने पहले तो ममता बनर्जी को जीत के लिए बधाई दी और कहा कि मैं युवा हूं और मेरी पारी अभी शुरू हुई है। मैं आगे मेहनत करती रहूंगी। इसके साथ ही प्रियंका टिबरेवाल ने कहा कि भले ही यह चुनाव ममता बनर्जी जीत गई हैं लेकिन इस खेल की मैन ऑफ द मैच में ही हूं। प्रियंका टिबरेवाल ने आगे कहा कि ममता बनर्जी के गढ़ में जाकर चुनाव लड़ा और 25000 से ज्यादा वोट हासिल की। इसके अलावा उन्होंने कहा कि इस तरह के माहौल में मैंने ऐसा प्रदर्शन किया है जहां उनके उपाध्यक्ष कैमरे पर फर्जी वोटरों को बूथ में घुसाते हुए दिखाई दे रहे थे। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी भवानीपुर उपचुनाव में जीत हासिल कर चुकी हैं। भवानीपुर में ममता बनर्जी की यह जीत रिकॉर्ड मतों से हुई है। शुरुआती जानकारी के मुताबिक यह जीत 58 हजार से ज्यादा मतों से है।

सार समाचार

छत्तीसगढ़ में उठापटक के बीच सीएम बघेल को मिली यूपी चुनाव के लिए अहम जिम्मेदारी

नयी दिल्ली। कांग्रेस ने छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल को शनिवार को उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव के लिए वरिष्ठ पर्यवेक्षक नियुक्त किया। पार्टी के संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल की ओर से जारी बयान के मुताबिक, कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी ने उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव के लिए बघेल को अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी का वरिष्ठ पर्यवेक्षक नियुक्त किया। इस नियुक्ति के बाद बघेल ने ट्वीट किया, ''माननीय राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती सोनिया गांधी जी ने उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव के लिए मुझे पर्यवेक्षक होने का निर्देश दिया है। बड़ी ज़िम्मेदारी है। पूरा प्रयास रहेगा कि शीर्ष नेतृत्व की उम्मीदों पर खरा उतर सकूं। परिवर्तन का संकल्प, कांग्रेस ही विकल्प।'' उत्तर प्रदेश में अगले साल फरवरी-मार्च में विधानसभा चुनाव होने हैं। प्रियंका गांधी वाद्रा उत्तर प्रदेश में कांग्रेस की प्रभारी हैं। कुछ महीने पहले बघेल ने असम विधानसभा चुनाव के लिए भी इसी जिम्मेदारी का निर्वहन किया था, हालांकि उस चुनाव में कांग्रेस नीत गठबंधन को हार का सामना करना पड़ा था। छत्तीसगढ़ में नेतृत्व परिवर्तन को लेकर चल रही चर्चा के बीच बघेल की इस नियुक्ति को महत्वपूर्ण माना जा रहा है। छत्तीसगढ़ में भूपेश बघेल सरकार के ढाई वर्ष पूरे होने के बाद से लगातार चर्चा है कि मुख्यमंत्री पद ढाई-ढाई वर्ष तक बघेल और फिर राज्य के वरिष्ठ नेता एवं स्वास्थ्य मंत्री टीएस सिंहदेव को देने की बात हुई थी। ऐसे में बघेल समर्थक कई विधायक बुधवार को दिल्ली पहुंचे हैं।

बाज नहीं आ रहा पाकिस्तान, जम्मू में ड्रोन से गिराए खतरनाक हथियार, पुलिस ने किया बरामद

नयी दिल्ली। भारत के खिलाफ अपनी साजिशों से पाकिस्तान बाज नहीं आ रहा है। वह लगातार भारत के खिलाफ साजिश रचता रह रहा है। इसी कड़ी में पिछले कई दिनों से वह भारतीय सीमा के भीतर ड्रोन भेजने का भी प्रयास कर रहा है। इन सबके बीच जम्मू में अंतरराष्ट्रीय सीमा के पास पुलिस ने हथियारों की एक बड़ी खेप को बरामद किया है। ऐसा माना जा रहा है कि पाकिस्तान के एक ड्रोन से हथियारों की खेप गिराई गई है। बरामद किए गए हथियारों में एक 1 एके असॉल्ट राइफल, तीन मैगजीन, 30 गोलियां और एक टेलीस्कोप शामिल है। फिलहाल पुलिस इस मामले को लेकर जांच कर रही है। पुलिस के मुताबिक शनिवार देर रात अंतरराष्ट्रीय सीमा के करीब पहालेन मंडल के सौजन गांव से यह खेप बरामद की गयी। पुलिस को इसकी सूचना एक गांव वाले ने दी। पुलिस ने बताया कि उसने किसी तरह की आवाज आने की जानकारी दी थी। उसने संदिग्ध रूप से पाकिस्तानी ड्रोन से सामान गिराना भी बताया था जिसके बाद पुलिस हरकत में आ गई। अधिकारियों ने बताया कि पुलिस ने तुरंत गांव की घेराबंदी कर दी और तलाश अभियान चलाया। तलाश अभियान के दौरान उसे तार से बंधा एक पीले रंग का पैकेट मिला जिसमें हथियार और गोला बारुद बरामद किए गए। इस संबंध में एक मामला दर्ज कर लिया गया है और उन लोगों का पता लगाने की कोशिशें की जा रही हैं जिन्हें यह खेप लेने आना था।

देश में कोरोना के उपचाराधीन मरीजों की संख्या में कमी, 22,842 नए मामले

नयी दिल्ली। भारत में कोरोना वायरस संक्रमण के 22,842 नए मामले सामने आने से संक्रमण के कुल मामलों की संख्या 3,38,13,903 पर पहुंच गयी जबकि उपचाराधीन मरीजों की संख्या कम होकर 2,70,557 रह गयी है जो 199 दिनों में सबसे कम है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के रविवार सुबह आठ बजे तक अद्यतन आंकड़ों के अनुसार, 244 मरीजों के और जान गंवाने से मृतकों की संख्या 4,48,817 पर पहुंच गयी है। आंकड़ों के मुताबिक, उपचाराधीन मरीजों की संख्या संक्रमण के कुल मामलों का 0.80 प्रतिशत है जो मार्च 2020 के बाद से सबसे कम है जबकि कोविड-19 से स्वस्थ होने की राष्ट्रीय दर 97.87 प्रतिशत है जो मार्च 2020 के बाद से सबसे अधिक है। पिछले 24 घंटे में कोविड-19 के उपचाराधीन मरीजों की संख्या में 3,332 की कमी दर्ज की गयी है। देश में पिछले साल सात अगस्त को संक्रमितों की संख्या 20 लाख, 23 अगस्त को 30 लाख और पांच सितंबर को 40 लाख से अधिक हो गई थी। वहीं, संक्रमण के कुल मामले 16 सितंबर को 50 लाख, 28 सितंबर को 60 लाख, 11 अक्टूबर को 70 लाख, 29 अक्टूबर को 80 लाख और 20 नवंबर को 90 लाख के पार चले गए थे। देश में 19 दिसंबर को ये मामले एक करोड़ के पार, इस साल चार मई को दो करोड़ के पार और 23 जून को तीन करोड़ के पार चले गए थे।

तेज प्रताप का दावा- कुछ लोग देख रहे हैं अध्यक्ष बनने का सपना, मेरे पिता को दिल्ली में बनाया गया बंधक

राजद प्रमुख लालू यादव के परिवार में एक बार फिर से विवाद बढ़ता जा रहा है। दरअसल, लालू प्रसाद यादव के बड़े बेटे और पूर्व स्वास्थ्य मंत्री तेज प्रताप यादव ने बड़ा बयान दिया है। माना जा रहा है कि तेज प्रताप का यह बयान कहीं ना कहीं इशारों इशारों में छोटे भाई और पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव पर हमला है। तेज प्रताप ने साफ तौर पर कहा कि कुछ लोग राष्ट्रीय अध्यक्ष बनने का सपना देख रहे हैं और यही कारण है कि उनके पिता को दिल्ली में बंधक बनाकर रखा गया है।

तेज प्रताप का बयान

तेज प्रताप यादव ने कहा कि पिताजी अस्वस्थ चल रहे हैं और हम उन पर कोई दबाव नहीं डालना चाहते। वह विभिन्न प्रकार की बीमारियों से ग्रसित है। उन्होंने कहा कि पार्टी में चार पांच लोग ऐसे हैं जो राष्ट्रीय जनता दल का अध्यक्ष बनने का सपना देख रहे हैं। तेज प्रताप ने कहा कि मैं उनका नाम नहीं लेना चाहता क्योंकि यह सभी को पता है। करीब 1 साल पहले पिताजी को जेल से रिहा किया गया था लेकिन अब तक उन्हें दिल्ली में बंधक बनाकर रखा गया है। तेज प्रताप ने यह भी कहा कि मैंने पिताजी को कहा था कि मेरे साथ पटना चलिए और हम लोग ध्यान रखेंगे। लेकिन उन्हें पटना नहीं आने दिया जा रहा है और उनको दिल्ली में बंधक बनाकर रखा गया है।

योगी सरकार का बड़ा फैसला, कोरोना काल में महामारी एक्ट के तहत दर्ज हुए केस होंगे वापस

नई दिल्ली (एजेंसी)।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बड़ा फैसला लिया है। दरअसल, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कोरोना महामारी के दौरान महामारी एक्ट के तहत दर्ज हुए सभी मुकदमे वापस लेने का फैसला किया है। इसके साथ ही मुख्यमंत्री ने कहा कि व्यापक के जनहित को ध्यान में रखते हुए हमने फैसला किया है कि इन सभी मुकदमों को समाप्त किया जाना चाहिए। इसको लेकर गृह विभाग की ओर से आवश्यक कार्यवाही करने संबंधी आदेश भी जारी कर दिए गए हैं।

बताया जा रहा कि मुख्यमंत्री ने कोविड-19 प्रबंधन के लिए गठित टीम-9 की बैठक में वरिष्ठ अधिकारियों को कोविड-19 महामारी के उल्लंघन से जुड़े मुकदमों को व्यापक जनहित में खत्म करने के आदेश दिए। गौरतलब है कि उत्तर प्रदेश पुलिस ने कोविड-19 महामारी के दौरान बिना किसी कारण के घर से बाहर निकलने तथा भीड़ इकट्ठा करने समेत कोविड-19 प्रोटोकॉल के विभिन्न प्रकार के उल्लंघन के मामलों में हजारों मुकदमे दर्ज किए थे। विशेष रूप से राजनीतिक आयोजनों को लेकर बड़ी संख्या में ऐसे मामले पंजीकृत हुए थे।

मुख्यमंत्री ने दावा किया कि कोरोना वायरस की दूसरी लहर के बाद सरकार के प्रयासों से संक्रमण पर प्रभावी नियंत्रण बना हुआ है। आज प्रदेश के 31 जिलों में कोविड-19 संक्रमण का एक भी मरीज नहीं है। प्रदेश में अब तक 10,91,52,448 लोगों को कोविड-19 टीके की खुराक दी जा चुकी है। योगी ने कोविड-19 प्रबंधन के लिए गठित टीम को निर्देश दिया कि आगामी पांच अक्टूबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लखनऊ आगमन के सिलसिले में सभी तैयारियां समय से पूरी कर ली जाएं और कार्यक्रम में हिस्सा लेने वाले सभी लोगों के लिए आरटीपीसीआर जांच अनिवार्य की जाए।

केशव प्रसाद मौर्य बोले- नए कृषि कानूनों का विरोध चुनावी आंदोलन है

लखीमपुर खीरी। (एजेंसी)।

उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने केंद्र के नए कृषि कानूनों के खिलाफ जारी किसानों के विरोध प्रदर्शन को ''चुनावी आंदोलन''करार देते हुए रविवार को कहा कि आम किसान भाजपा का विरोध नहीं कर रहे हैं। उपमुख्यमंत्री ने यहां 117.71 करोड़ रुपये मूल्य की 165 परियोजनाओं के लोकार्पण और शिलान्यास कार्यक्रम से इतर एक सवाल के जवाब में संवाददाताओं से कहा कि संबंधित विरोध प्रदर्शन किसान आंदोलन नहीं, बल्कि ''चुनावी आंदोलन''है।

गौरतलब है कि जिले के निघासन क्षेत्र में कुछ किसानों ने उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य के दौरे का विरोध करने का ऐलान किया था। इस पर मौर्य ने कहा कि अगर उन किसानों को कोई परेशानी है तो वह उनकी बात सुनने को तैयार हैं। उन्होंने कहा, किसान अन्नदाता हैं, हमारे दुश्मन नहीं। भाजपा सरकार ने किसानों के भले के लिए बहुत काम किया है और सामान्य किसान भाजपा का विरोध नहीं कर रहा है। भाजपा सरकार के अच्छे काम से परेशान विपक्ष झूठ का एजेंडा चला रहा है।

मौर्य ने कहा कि राज्य सरकार ने गन्ना मूल्य में प्रति क्विंटल 25 रुपये की बढ़ोतरी समेत किसानों के भले के लिए अनेक काम किए हैं। उन्होंने कहा कि अगर सभी विपक्षी दल एकजुट भी हो जाएं तो भी वे आगामी विधानसभा चुनाव में भाजपा को 300से ज्यादा सीट जीतने से नहीं रोक सकते। मौर्य ने कहा कि पिछले विधानसभा चुनाव में भाजपा को 51 प्रतिशत वोट मिले थे, लेकिन इस बार पार्टी अपने दम पर 60 प्रतिशत से ज्यादा वोट हासिल करेगी।

पुष्कर सिंह धामी बोले, प्रधानमंत्री मोदी का उत्तराखंड आना शुभ क्षण

देहरादून। (एजेंसी)।

अगले साल उत्तराखंड विधानसभा चुनावों से पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के उत्तराखंड आगमन को शुभ बताते हुए मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने रविवार को कहा कि वह इस क्षण की प्रतीक्षा कर रहे हैं। धामी ने यहां मीडिया से बातचीत करते हुए कहा कि उत्तराखंड से प्रधानमंत्री मोदी का विशेष लगाव है और 2014 में उनके प्रधानमंत्री बनने के बाद से यहां जिस तेजी से कार्य हुए हैं, वैसे पहले कभी नहीं हुए। उन्होंने कहा, ''प्रधानमंत्री जी आज विश्व के सबसे बड़े नेता हैं और वह उत्तराखंड की धरती पर आ रहे हैं। उनका देवभूमि उत्तराखंड आना हमारे लिए बहुत शुभ क्षण है और हम इस क्षण की प्रतीक्षा कर रहे हैं।''

प्रधानमंत्री के सात अक्टूबर को उत्तराखंड आने की संभावना है, जहां वह ऋषिकेश एम्स (अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान) में आक्सीजन संयंत्र का उद्घाटन करेंगे। प्रदेश में विकास के लिए प्रधानमंत्री और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह द्वारा मुख्यमंत्री के कार्यों की सराहना किए जाने के बारे में पूछे जाने पर धामी ने कहा कि वह इसके लिए उनके बहुत आभारी हैं। उन्होंने कहा, ''वे हमारे प्रेरणास्रोत हैं। उनका ऐसा कहना (प्रशंसा करना) मुझे और अधिक जिम्मेदार बनाता है कि मैं और मजबूती से कार्य कर जन-जन का कल्याण करूं।'' प्रधानमंत्री मोदी ने धामी को मेहनती कहा था और रक्षा मंत्री सिंह ने उन्हें ''धाकड़ बल्लेबाज'' बताया था, जिन्हें टी-20 मैच के आखिरी ओवर में बल्लेबाजी के लिए भेजा गया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तराखंड की जनता राष्ट्रवादी है और जिस तरह से प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में दुनिया में भारत का मान-सम्मान बढा है, उससे यहां की जनता भी भली-भांति परिचित है। उन्होंने कहा कि वह उत्तराखंड की जनता के बहुत ऋणी हैं कि सभी का स्नेह और आशीर्वाद उन्हें मिल रहा है। उन्होंने कहा कि तीन माह के कार्यकाल में उन्होंने प्रदेश के सूदूरवर्ती क्षेत्रों में रहने वाली माताओं, बहनों, बुजुर्गों, नौजवानों, बच्चों एवं गरीब जनता के लिए कुछ न कुछ देने का प्रयास किया है। उन्होंने कहा कि वह प्रदेश के विकास के लिए और तेजी एवं ऊर्जा से जन-जन के कल्याण के लिए कार्य करने के लिये संकल्पबद्ध हैं।

राम मंदिर ट्रस्ट के अध्यक्ष महंत नृत्य गोपाल दास की तबीयत बिगड़ी, डॉक्टरों की पैनल के साथ मेदांता के लिए हुए रवाना

अयोध्या। (एजेंसी)।

राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के अध्यक्ष महंत नृत्य गोपाल दास की अचानक तबीयत बिगड़ने के बाद उन्हें आनन-फानन में डॉक्टरों के पैनल के साथ महंत कमल नयन दास लखनऊ के लिए रवाना हुए है। बता तो चलते हैं कि महंत नृत्य गोपाल दास के फेफड़े व यूरिन इन्फेक्शन होने से तबीयत में गिरावट आई तो वही ऑक्सीजन भी सामान्य से कम पहुंच गया इसके बाद अयोध्या के डॉक्टरों के पैनल द्वारा इलाज प्रारंभ किया गया लेकिन कोई सुधार न होने के कारण स्थानीय प्रशासन व उत्तराधिकारी कमल नयन दास ने लखनऊ के मेदांता में इलाज कराए जाने का निर्णय लिया है। महंत नृत्य गोपाल दास के स्वास्थ्य परीक्षण कर रहे डॉक्टरों की टीम के मुताबिक यूरिन इन्फेक्शन के कारण स्वास्थ्य में गिरावट आई थी। लेकिन बाईपास नली लगाए जाने के साथ ऑक्सीजन सामान्य रूप से कम होने को देखते हुए अतिरिक्त ऑक्सीजन भी लगाया गया है। लेकिन अभी उनका स्वास्थ्य पूरी तरह स्वस्थ नहीं हो सका है जिसके कारण उन्हें लखनऊ मेदांता के लिए रेफर किया गया है क्योंकि महंत नृत्य गोपाल दास जी का इलाज पहले से ही मेदांता के डॉक्टर के निगरानी में किया जा रहा था इसलिए पूरी तरह स्वस्थ होने के लिए उन्हें उनके डॉक्टरों के पैनल के बीच भेजा गया है। महंत नृत्य गोपाल दास जी जो हमारे राम मंदिर ट्रस्ट के अध्यक्ष भी है। विगत दिनों उन्हें करो ना के कारण मेदांता

हॉस्पिटल में भर्ती होना पड़ा था इसके पहले प्रथम चरण में गुड़गांव के मेदांता में भर्ती हुए थे और काफी दिनों तक उनकी चिकित्सा चली और आज उनकी यूनिन दिक्कत आई जिसके कारण उनका यूरिन डिस्चार्ज नहीं हो पा रहा था तो यह हुआ कि अयोध्या के चिकित्सकों को दिखाया जाए और अयोध्या मुख्यालय के डॉक्टरों का पैनल आए हुए थे उन्होंने देखा और उन्होंने ही राय दिया कि जहां पर इलाज किया जा रहा था वहां पर भी जांच करा लेना चाहिए वहीं कहा कि यूरिन में दिक्कत आने के कारण ही उनको यह दिक्कत हुई है और हम सब जल्द ही ठीक होने की कामना करते हैं और भगवान श्रीराम का आशीर्वाद उनके साथ है।

35000 करोड़ की लागत से वैक्सीन का कवच प्रदान कर रही है सरकार : अनुराग सिंह ठाकुर

हमीरपुर ।(एजेंसी)।

केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण, युवा मामले और खेल मंत्री अनुराग सिंह ठाकुर ने रविवार को ग्राम पंचायत पंजोत में प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना के तहत लगभग साढ़े पांच करोड़ रुपये की लागत से अपग्रेड की गई दो सड़कों का लोकार्पण किया और जनसभा को संबोधित किया। इस अवसर पर उन्होंने बताया कि पंजोत-धरयाड़ा सड़क पर लगभग 2 करोड़ 30 लाख रुपये और डूंगी कंजियाण सड़क पर 3 करोड़ 18 लाख रुपये खर्च किए गए हैं।

क्षेत्र में जारी अन्य सड़कों के कार्यों की चर्चा करते हुए अनुराग सिंह ठाकुर ने कहा कि अवाहदेवी-बगवाड़ा-डेरा परोल सड़क पर 7.82 करोड़, कांगू गलू-कलाहू-अमरोह सड़क 5.21 करोड़ और जिजवीं सड़क पर 5.83 करोड़ रुपये खर्च किए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि पीएमजीएसवाई के तहत भोरंज विधानसभा क्षेत्र में 31 करोड़ रुपये खर्च हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि अटल बिहारी वाजपेयी के कार्यकाल के दौरान आरंभ की गई प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना ने ग्रामीण भारत की तकदीर और तस्वीर बदल दी है। प्रेम कुमार धूमल के मुख्यमंत्रित्वकाल में इस योजना के बेहतरीन कार्यान्वियन के कारण ही हिमाचल प्रदेश के दूरदराज के गाँवों तक सड़कें पहुंच पाई हैं।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सात वर्ष के दौरान अत्याधुनिक हाईवे के निर्माण के साथ साथ सभी सीमावर्ती क्षेत्रों में बेहतरीन मूलभूत ढांचा विकसित किया है, जिससे देश की सीमाओं पर हमारी सेनाएं मजबूत हुई हैं। इसी कड़ी में भानुपल्ली-बिलासपुर रेलवे लाइन का काम भी तेजी से करवाया जा रहा है। केंद्र सरकार की योजनाओं की चर्चा करते हुए अनुराग सिंह ठाकुर ने कहा कि कोरोना संकट के दौरान नरेंद्र मोदी ने 80 करोड़ लोगों के लिए 15 महीनों तक मुफ्त राशन उपलब्ध करवा कर पूरे विश्व में एक उदाहरण पेश किया है। संकट की इस घड़ी में नरेंद्र मोदी ने देश को एक मजबूत नेतृत्व प्रदान किया और देश के वैज्ञानिकों ने महज नौ महीने में वैक्सीन तैयार कर दी. अनुराग सिंह ठाकुर ने कहा कि मोदी सरकार लगभग 35 हजार करोड़ की लागत से सभी देशवासियों को वैक्सीन का सुरक्षा कवच प्रदान कर रही है।

अनुराग सिंह ठाकुर ने बताया कि कोरोनाकाल में केंद्र सरकार की मदद के अलावा उन्होंने हिमाचल के लिए अन्य माध्यमों से भी हरसंभव सहायता प्रदान करने का प्रयास किया है। इसके तहत पांच पीएसए आक्सीजन प्लांट भी स्थापित किए गए हैं। इस अवसर पर केंद्रीय मंत्री ने लोगों से स्वच्छता के मंत्र को अपनी आम दिनचर्या में आत्मसात करने की अपील भी की। कार्यक्रम के दौरान केंद्रीय मंत्री का स्वागत करते हुए विधायक एवं हिमाचल प्रदेश विधानसभा में उप मुख्य सचेतक कमलेश कुमारी ने कहा कि अपनी अदभुत कार्य क्षमता के दम पर अनुराग सिंह ठाकुर आज केंद्रीय मंत्रिमंडल में महत्वपूर्ण पद को सुशोभित कर रहे हैं।

सार समाचार

काबुल में एक मस्जिद के बाहर विस्फोट, कई नागरिकों की मौत की आशंका

काबुल। अफगानिस्तान की राजधानी काबुल से एक और दुखद खबर आ रही है। काबुल में एक मस्जिद के प्रवेश द्वार पर बम विस्फोट की खबर है। तालिबान प्रवक्ता के अनुसार इस विस्फोट में कई नागरिकों की मौत हुई है। तालिबान प्रवक्ता जबीहुल्ला मुजाहिद ने टि्वटर पर कहा विस्फोट काबुल में ईदगाह मस्जिद के प्रवेश द्वार के पास हुआ। आपको बता दें कि अफगानिस्तान में तालिबान के कब्जे के बाद वहां की स्थिति दयनीय है। अगस्त के मध्य में तालिबान के अफगानिस्तान पर कब्जे के बाद इस्लामिक स्टेट आतंकी समूह द्वारा किए जाने वाले हमलों में बढ़ोतरी हुई है। ऐसे में दोनों चरमपंथी समूहों के बीच संघर्ष और गहराने की संभावना बढ़ गई है। आईएस पूर्वी प्रांत नंगरहार में दबदबा रखता है और तालिबान को दुश्मन मानता है। इसने उसके खिलाफ कई हमलों का दावा किया है, जिसमें प्रांतीय राजधानी जलालाबाद में कई हत्याएं शामिल हैं। काबुल में हमले अब तक बेहद दुर्लभ माने जाते हैं।

ट्रंप ने अमेरिकी न्यायाधीश से अपना टि्वटर अकाउंट बहाल कराने का किया अनुरोध

न्यूयॉर्क। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने फ्लोरिडा में संघीय न्यायाधीश से अनुरोध किया है कि वह टि्वटर को उनका अकाउंट बहाल करने का निर्देश दें। ट्रंप के वकील ने शुक्रवार को मियामी में अमेरिकी जिला अदालत में याचिका दाखिल की जिसमें ट्वटिर और उसके सीईओ जैक डोर्सी के खिलाफ प्राथमिक आदेश जारी करने का अनुरोध किया गया है। उन्होंने दलील दी कि टि्वटर नियमों का उल्लंघन कर ट्रंप पर प्रतिबंध लगा रहा है। हालांकि इस संबंध में टि्वटर ने कोई टिप्पणी करने से इनकार कर दिया। जनवरी में यूएस कैपिटल (अमेरिकी संसद भवन) में हिंसा के बाद टि्वटर ने ट्रंप का अकाउंट बंद कर दिया था। इसके बाद फेसबुक, गूगल के यूट्यूब ने भी ऐसा ही किया था।

पाकिस्तान के उत्तरी वजीरिस्तान में आतंकी हमले में पांच सैनिक मारे गए

इस्लामाबाद। अफगानिस्तान सीमा के पास उत्तरी वजीरिस्तान जिले में शनिवार को आतंकियों ने पाकिस्तानी सैनिकों के वाहनों पर हमला किया, जिसमें कम से कम पांच सैनिक मारे गए। मीडिया रिपोर्ट से यह जानकारी मिली है। समा टीवी के अनुसार, पाकिस्तान की मीडिया मामलों की शाखा इंटर सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस (आईएसपीआर) ने एक बयान में कहा कि हमले में फ्रंटियर कॉर्प्स के चार जवान और लेविस फोर्स के एक इंस्पेक्टर मारे गए। घटना उत्तरी वजीरिस्तान के स्पिन वाम इलाके की है। अधिकारियों ने तलाशी अभियान शुरू कर दिया है और इलाके की घेराबंदी कर दी गई है।

इससे पहले 30 सितंबर को खैबर पख्तूनख्वा (केपी) के टैंक जिले में एक ऑपरेशन के दौरान पाकिस्तानी सेना का एक कप्तान मारा गया था। हाल के महीनों में पाकिस्तानी सेना पर हमलों में तेजी आई है। अफगानिस्तान में सीमा पार सरकारी बलों के खिलाफ तालिबान के हमले तेज करने के बाद से उत्तर और दक्षिण वजीरिस्तान कबायली जिलों के कुछ इलाकों में सुरक्षा बलों पर हमले बढ़ गए हैं।

सेना पर 55 हमले कर चुका है टीटीपी

ज्ञात हो कि आतंकी संगठन तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान ने इमरान सारकार और पाकिस्तानी सेना से वजीरिस्तान और बलूचिस्तान में सैन्य आपरेशनों को बंद करने को कहा है। एक रिकार्डेड वीडियो संदेश में तालिबान प्रमुख नूर वली महसूद ने कहा कि यदि ऐसा नहीं किया गया तो टीटीपी पाकिस्तान से सभी आदिवासी इलाकों को आजाद करा देगा। टीटीपी ने जुलाई से 15 सितंबर के बीच पाकिस्तानी सेना पर 55 हमले किए हैं।

पूर्वी लद्दाख में ड्रैगन और पाक से तनाव के बीच एससीओ की एंटी टेरर एक्सरसाइज में भारत की दस्तक, क्या है एससीओ संगठन

नई दिल्ली। शंघाई सहयोग संगठन की एंटी टेरर एक्सरसाइज पाकिस्तान में होगी। इसमें भारत भी हिस्सा ले रहा है। खास बात यह है कि यह एंटी टेरर एक्सरसाइज ऐसे समय हो रही है, जब भारत के संगठन के सदस्य देशों पाकिस्तान और चीन के साथ तनावपूर्ण रिश्ते चल रहे हैं। इस तनाव के चलते पहले इसमें भारत की हिस्?सेदारी को लेकर संशय बना हुआ था। ऐसे में यह जिज्ञासा लोगों के जेहन में हो रही होगी कि आखिर एससीओ क्या है ? इसका गठन कब हुआ ? इसका मकसद क्या है ? भारत को इससे व?या हासिल होगा ?

शुरुआत में शंघाई फाइव के नाम से जाना जाता था संगठन

दरअसल, वर्ष 1996 में शंघाई में हुई बैठक में चीन रूस, कजाकिस्तान, किर्गिस्तान और ताजिकिस्तान आपस में एक दूसरे के नस्लीय और धार्मिक तनावों से निपटने के लिए सहयोग करने पर राजी हुए थे। तब इसे शंघाई फाइव के नाम से जाना जाता था। हालांकि, एससीओ का जन्म 15 जून, 2001 को हुआ, तब चीन, रूस और चार मध्य एशियाई देशों कजाकस्तान, किर्गिस्तान, ताजिकिस्तान और उजबेकिस्तान के नेताओं ने शंघाई सहयोग संगठन की स्थापना की और नस्लीय और धार्मिक चरमपंथ से निबटने और व्यापार और निवेश को बढ़ाने के लिए समझौता किया।

एक बड़े प्रभावी संगठन के रूप में हुआ उदय

1996 में शंघाई इनीशिएटिव के तौर पर जब इसकी शुरुआत हुई थी तब सिर्फ इसका एकमात्र उद्देश?य यह था कि मध्य एशिया के नए आजाद हुए देशों के साथ लगती रूस और चीन की सीमाओं पर तनाव को कैसे रोक जाए। धीरे-धीरे सीमाओं में सुधार और उसके निर्धारण की प्रक्रिया पूरी की गई। शंघाई में यह मकसद सिर्फ तीन साल में ही हासिल कर लिया गया। इसके चलते इसे बड़ा प्रभावी संगठन माना जाने लगा।

ड्रैगन घुसपैठ की हरकतों से नहीं आ रहा बाज़, रिकॉर्डतोड़ लड़ाकू विमान भेजे ताइवान

कोलंबो। (एजेंसी)।

ताइवान। दुनियाभर में चीन अपने नापाक इरादों की वजह से जाना जाता रहा है। आए दिन वे अपनी सैन्य शक्तियों का प्रदर्शन करता है। भारत और अमेरिका समेत कई देशों की नाक में दम करने वाला ड्रैगन अब ताइवान को भी डराने की कोशिश में लगातार लगा हुआ है। चीन के लड़ाकू विमानों के ताइवान एयरस्पेस में घुसने की हरकत ने एक बार फिर सबका ध्यान ड्रैगन ने खींच लिया है।

लड़ाकू विमानों से डरा रहा ड्रैगन

चीन ने लगातार दो दिन ताइवान एयरस्पेस में अपने लड़ाकू विमान भेजे। इस कड़ी में वह लगातार बड़ी संख्या में अपने लड़ाकू विमान ताइवान के एयरस्पेस में भेज रहा है। दो दिन में उसने अब तक सबसे ज्यादा फाइटर जेट्स भेजे हैं जिन्हें ताइवान की वायुसेना ने खदेड़ तो दिया है लेकिन इससे चीन की बढ़ती आक्रामकता भी जाहिर हो गई है।

ताइवान के रक्षा मंत्रालय ने कहा

चीन की नापाक हरकत के बाद, ताइवान के रक्षा मंत्रालय ने शुक्रवार को बताया था कि चीन के 38 लड़ाकू विमान देश के एयरस्पेस में दाखिल हुए थे जिनमें से कुछ परमाणु क्षमता से भी लैस थे। इसके बाद शनिवार को एक बार फिर 20 प्लेन आए। ताइवान के प्रीमियर सू सेंग-चांग ने शनिवार को कहा कि चीन सैन्य आक्रामकता में उलझकर क्षेत्रीय शांति को नुकसान पहुंचा रहा है।

ड्रैगन की हरकत के बाद ताइवान ने भी दौड़ाए विमान

चीन की ओर से हुए सीमा उल्लंघन पर ताइवान रक्षा मंत्रालय का कहना है कि चीन ने 18 जे-16, चार सुखोई-30 विमान और दो परमाणु बम गिराने में सक्षम एच-6 बॉम्बिर भेजे थे। इसके अलावा एक ऐंटी सबमरीन एयरक्राफ्ट भी चीनी बेड़े में शामिल था। इसके जवाब में ताइवान ने भी अपने लड़ाकू विमानों को दौड़ाया।

इस सबके बावजूद ड्रैगन यहीं तक नहीं रुका उसने शनिवार सुबह वापस अपनी हरकत दोहराई। ताइवानी रक्षा मंत्रालय ने बताया कि, शनिवार की सुबह को चीन ने 13 फाइटर जेट एक बार फिर से ताइवान हवाई रक्षा क्षेत्र से गुजरे। इसमें 10 जे-16, 2 एच-6 बॉम्ब र और एक अर्ली वॉर्निंग एयरक्राफ्ट भी इसमें शामिल था। उसने कहा कि ताइवान के लड़ाकू विमानों ने चीनी विमानों को चेतावनी दी, वहीं मिसाइलों को चीनी विमानों की निगरानी के लिए तैनात किया गया था।

चीन बार- बार दिखाता है ताकत

इससे पहले चीन ने जून महीने में एक साथ 28 विमान भेजकर अपनी ताकत का प्रदर्शन किया था और कहा था कि इन लड़ाकू विमानों की उड़ान देश की संप्रभुता की रक्षा के लिए है। ऐसे में चीन ने अब ताइवान को अपनी संप्रभुता को स्वीरकार कराने के लिए सैन्य- और राजनीतिक दबाव बढ़ा दिया है।

बाइडन ने 3,500 अरब डॉलर का पैकेज बाधित होने पर कहा, हर कोई हताश है

वाशिंगटन। (एजेंसी)।

अमेरिका में 3,500 अरब डॉलर के भारी-भरकम खर्च पैकेज की राशि को कम करके अपने इस कार्यक्रम और एक संबंधित लोक निर्माण विधेयक को बचाने के डेमोक्रेटिक सांसदों के प्रयासों के बीच अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने शनिवार को स्वीकार किया कि विधेयक के पारित नहीं होने के कारण हर कोई हताश है। बाइडन ने डेलावेयर स्थित विलमिंग्टन में सप्ताहांत में अपने आवास पर रुकने के लिए व्हाइट हाउस से जाने से पहले संवाददाताओं से कहा, ''हर कोई हताश है। सरकार में होने पर ये सब होता है।'' बाइडन ने संकल्प लिया कि वह उनके घरेलू एजेंडे के दो स्तम्भों को कानून के रूप में पारित कराने के लिए ''अथक मेहनत'' करेंगे, लेकिन उन्होंने इस संबंध में कोई समयसीमा तय नहीं की।

राष्ट्रपति प्रतिनिधि सभा में डेमोक्रेटिक सदस्यों का मनोबल बढ़ाने के लिए उनके साथ एक निजी बैठक के लिए शुक्रवार को कैपिटल हिल गए थे। बैठक में मौजूद सांसदों ने बताया कि बाइडन ने देश की सामाजिक सुरक्षा को मजबूत करने वाले बड़े पैकेज के लिए 1,900 अरब डॉलर से लेकर 2,000 अरब डॉलर तक की राशि पर चर्चा की। बाइडन ने कहा कि वह विधेयक के लिए समर्थन जुटाने के मकसद से जल्द ही देशभर का दौरा करेंगे। उन्होंने लोगों को योजना के नए एवं विस्तारित कार्यक्रमों के बारे में जागरुक करने के लिए और प्रयास करने का संकल्प लिया। उन्होंने दावा किया कि उनके इस कार्यक्रम को बड़ी संख्या में मतदाताओं का समर्थन हासिल है। इस विधेयक का उद्देश्य अगले दस साल के दौरान सामाजिक सुरक्षा दायरे और जलवायु कार्यक्रमों को आगे बढ़ाना है।

यह बाइडन और पार्टी के लिए एक महत्वपूर्ण समय है। बाइडन की लोकप्रियता संबंधी रेटिंग गिर गई है और डेमोक्रेटिक नेता देश के पुनर्निर्माण संबंधी बाइडन के अहम वादे को पूरा करने के लिए बेचैन हैं। वेस्ट वर्जीनिया से डेमोक्रेटिन सीनेटर जो मनचिन करीब 1,500 अरब डॉलर के एक छोटे पैकेज की अपनी मांग पर बृहस्पतिवार को भी अडिग रहे, जिसके कारण विधेयक की रूपरेखा को लेकर शीघ्र सहमति बनने की बाइडन की उम्मीद पर पानी फिर गया। इस विधेयक पर सहमति नहीं बनने के कारण इससे जुड़ा लोक निर्माण विधेयक भी बाधित हो गया। प्रतिनिधि सभा की अध्यक्ष नैंसी पेलोसी ने अपने पार्टी सांसदों से कहा कि इस वृहद पैकेज को आकार देने के लिए ''और समय की आवश्यकता'' है।

अमेरिकी सैन्य साजोसमान के चलते ताकतवर हुआ तालिबान, रात में भी लड़ने में सक्षम हैं लड़ाके

नई दिल्ली (एजेंसी)।

अफगानिस्तान में अमेरिकी सैनिकों की वापसी के बाद तालिबान सबसे अधिक ताकतवार हो चुका है। फोर्ब्स के आकलन के मुताबिक अमेरिका अफगानिस्तान में 8,84,311 अत्याधुनिक सैन्य उपकरण छोड़ आया है। इनमें एम-16 रायफल, एम-4 कार्बाइन, 82 एमएम मोर्टार लान्चर जैसे इंफेंट्री हथियारों के साथ हमवी जैसे सैन्य वाहन, ब्लैक हाक हेलिकाप्टर, ए29 लड़ाकू विमान, नाइट विजन, कम्युनिकेशन और सर्विलांस में इस्तेमाल होने वाले उपकरण शामिल हैं।

तालिबान के हाथ लगे खतरनाक हथियार: तालिबान लड़ाकों के पास 6 लाख अमेरिकी रायफल, मोर्टार, ग्रेनेड लान्चर। 3,58,530 अमेरिकी रायफल तालिबान के हाथों में। इसमें एम-16, एम-4 कार्बाइन, एके47 ड्रैगुनोव स्नाइपर रायफल शामिल। 1,26,295 अमेरिकी पिस्टल तालिबान के पास है। एम-9 और जी-19 भी शामिल है। 64, 363 अत्याधुनिक मशीन गन तालिबान लड़ाकों के पास है। इसमें एम-249, आरपीके, एम-240, एनएसवी शामिल हैं।

-25, 327 अमेरिकी ग्रेनेड लान्चर तालिबान के पास हैं। 40 एमएम, जीपी-25 और एम-20 शामिल है। 9,877 अमेरिकी प्रापेल्ड वेपन तालिबान के पास मौजूद हैं। इसमें आरपीजी-7 और एसपीजी-9 शामिल। 2,606 अमेरिकी मोर्टार और तोप तालिबान के पास। इसमें 60 एमएम, 82 एमएम, 122 एमएम होवित्जर शामिल है।

तालिबान के हाथ लगे खतरनाक हथियार: 06 लाख अमेरिकी रायफल, मोर्टार, ग्रेनेड लान्चर भी इसमें शामिल। 3,58,530 अमेरिकी रायफल तालिबान के हाथों में हैं। इसमें एम-16, एम-4 कार्बाइन, एके47 ड्रैगुनोव स्नाइपर रायफल शामिल। 1,26,295 अमेरिकी पिस्टल तालिबान के पास है। एम-9 और जी-19 भी शामिल है। 64, 363 अत्याधुनिक मशीन गन तालिबान लड़ाकों के पास है। इसमें एम-249, आरपीके, एम-240, एनएसवी शामिल हैं।

ऊंचाई पर रहने वालों में कम रहता है घातक स्ट्रोक का खतरा, जानिए और क्या कहता है यह शोध

वाशिंगटन (एजेंसी)।

एक नए शोध से पता चला है कि जो लोग अधिक ऊंचाई पर रहते हैं, उनमें स्ट्रोक और स्ट्रोक से मौत होने का खतरा कम रहता है। दो हजार और 3,500 मीटर की ऊंचाई के बीच रहने वालों में यह सुरक्षा सबसे ज्यादा प्रभावी रहती है। इस अध्ययन के परिणाम 'फ्रंटियर्स इन फिजियोलाजी' जर्नल में प्रकाशित किए गए हैं।

इक्वाडोर में चार अलग-अलग ऊंचाई पर रहने वाले लोगों में स्ट्रोक से संबंधित बीमारियों से अस्पताल में भर्ती होने और मौत की घटनाओं के विश्लेषण पर आधारित यह पहला अध्ययन है। इसमें एक लाख से अधिक स्ट्रोक के शिकार रोगियों से संबंधित 17 वर्षों के दौरान जमा किए गए आंकड़ों को शामिल किया गया है।

जीवन शैली और स्वास्थ्य से जुड़ी कुछ बातों से परिचित होना है जरूरी

पूरी दुनिया में स्ट्रोक मौत और दिव्यांगता का एक प्रमुख कारण है। आम तौर पर मस्तिष्क को रक्त की आपूर्ति करने वाली धमनियों में से एक में खून का थक्का बनने से रुकावट पैदा होती है और उससे आघात (स्ट्रोक) होता है। हमें अपनी जीवन शैली और स्वास्थ्य से जुड़ी कुछ ऐसी बातों से परिचित होना जरूरी है जो स्ट्रोक का खतरा बढ़ाती हैं। ऐसी बातों में धूमपान, हाई ब्लड प्रेशर, हाई कोलेस्ट्राल, और शारीरिक गतिविधि में कमी शामिल है।

अधिक ऊंचाई का मतलब आक्सीजन की उपलब्धता में कमी

लेकिन ऊंचाई स्वास्थ्य संबंधी एक ऐसा अनदेखा कारक है, जो आपके आघात के खतरे को प्रभावित कर सकता है। अधिक ऊंचाई का मतलब आक्सीजन की उपलब्धता में कमी है। ऐसे में जो लोग ऊंचाई पर रहते हैं, वे इन परिस्थितियों के अभ्यस्त हो गए हैं। हालांकि यह परिस्थिति किसी में आघात की स्थिति विकसित होने की आशंका को कैसे प्रभावित करता है, यह अभी तक स्पष्ट नहीं है।

बोरिस जानसन बोले- अस्थायी वीजा जारी कर ट्रक ड्राइवरों की कमी करेंगे दूर, आव्रजन नियमों की भी होगी समीक्षा

लंदन (एजेंसी)।

ब्रिटेन के प्रधानमंत्री बोरिस जानसन ने कहा कि वह आव्रजन नियम को समीक्षा के दायरे में लाएंगे। टैंकर ड्राइवरों की कमी से निपटने के लिए उन्होंने और अस्थायी वीजा जारी करने के संकेत दिए हैं। ताकि ड्राइवरों की कमी से ब्रिटेन में पेट्रोल, डीजल और गैस की आपूर्ति में परेशानी होने से हुई ईंधन की किल्लत को दूर किया जा सके।ब्रिटेन ने पिछले सप्ताह कहा था कि 5000 विदेशी ट्रक ड्राइवरों और 5,500 पोल्ट्री कामगारों के लिए वह अस्थायी वीजा जारी करेगा।

ड्राइवरों और पोल्ट्री कामगारों की कमी से गैस स्टेशनों में ईंधन की आपूर्ति में बाधा और खाद्य उत्पादन में कठिनाई पैदा हो गई है।ब्रिटेन के रोड हालेज एसोसिएशन (आरएचए) ने कहा है कि कामगारों के उद्योग छोड़ने के कारण देश एक लाख ड्राइवरों की कमी से जूझ रहा है। पहली वजह यह कि महामारी ने करीब एक साल से ड्राइवरों के प्रशिक्षण और जांच पर रोक लगा रखी है।

दूसरी वजह कि ब्रेक्जिट के बाद के आव्रजन नियमों ने यूरोप से ड्राइवरों को काम पर रखने पर रोक लगा दी है। एक अस्पताल के दौरे पर आए जानसन ने कहा, 'मौजूद प्रणाली हमें आव्रजन को नियंत्रित करने की अनुमति और लचीलापन मुहैया कराती है। यदि जरूरत पड़ी तो हम अपना बाजार खोलेंगे और हर चीज की समीक्षा करेंगे।' ब्रिटेन में गहराए आपूर्ति संकट को लेकर विपक्ष ने ब्रेक्सिट को दोषी ठहराया है जबकि सरकार का कहना है कि जरूरी वस?तुओं की कमी महामारी के चलते हुए एक अस्थायी समस?या है। ब्रिटिश सरकार का कहना है कि इस समस?या को दीर्घकालिक प्रशिक्षण के जरिए हल कर लिया जाएगा। क्रिसमस के मौसम में आपूर्ति को पूरा करने के लिए योजना को 5,500 पोल्ट्री श्रमिकों तक भी बढ़ाया जा रहा है। हाल ही में ब्रिटेन के परिवहन मंत्री ग्रांट शाप्स ने कहा था कि सरकार आने वाले दिनों में भारी माल वाहन चालकों की कमी को पूरा करने के लिए ढुलाई और खाद्य उद्योगों की मदद करने की भी कोशिश करेगी। उनका कहना था कि उद्योगों को भी आपूर्ति सुनिश्चित करने के काम में आगे आना चाहिए और स्थिति में सुधार के साथ अपनी भूमिका निभानी चाहिए। ग्रांट शाप्स ने अपील की थी कि कंपनियों को ड्राइवरों को काम पर बनाए रखने के लिए उनकी तनख्वाह भी बढ़ानी चाहिए।

चीन की वजह से क्या भारत झेलेगा बिजली संकट? चीन लगातार कर रहा है हस्तक्षेप

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

जैसा कि जगज़ाहिर है, भारत के प्रति चीन लगातार आक्रमक तैवर दिखाता रहा है। भारत के प्रति तो उसका नज़रीया हमेशा से आक्रमक रहा है। बावजूद इसके 'खिसियानी बिल्ली खंभा नौंचे' जैसी स्थिति बनी हुई है। कहना गलत नहीं होगा कि भारत को लगातार नुकसान पहुंचाने के इरादे में अभी तक चीन सफल नहीं हो पाया है। लेकिन अब ऐसी खबरें आ रही हैं कि भारत में कोयला संकट की वजह चीन बन सकता है।

बिजली संकट की वजह बन सकता है चीन

मालूम हो कि चीन में पिछले दिनों बिजली के संकट की खबरें दुनिया भर में सुर्खियों में थीं। अब भारत में भी हालात ठीक वैसे ही बन रहे हैं। भारत में बिजली बनाने वाले थर्मल पावर प्लांट को कोयले की गंभीर समस्या का सामना करना पड़ रहा है। इस वजह से बहुत से पावर प्लांट में उत्पादन ठप हो चुका है, जबकि बहुत से पावर प्लांट में उत्पादन ठप हो सकता है। इस बीच खबरें ऐसी आई है कि भारत की इस बिजली संकट की वजह चीन बन सकता है।

चीनी में भारतीय कोयला महिनों से पड़ा है

भारत असल में ऑस्ट्रेलिया से कोयला आयात करता है और चीन के बंदरगाह पर भारत का 20 लाख टन से अधिक ऑस्ट्रेलियाई कोयला महीनों से पड़ा हुआ है। जिन लोगों ने ऑस्ट्रेलिया से यह कोयला खरीदा है, उन्होंने यह जानकारी दी है। इस बात से ये अंदाज़ा लगाया जा सकता है कि कैसे राजनीतिक स्थितियों की वजह से देश आपस में एक-दूसरे को नुकसान पहुंचाने में पीछे नहीं रहते। चीन के इस कदम की वजह से भारत में बिजली सप्लाई का संकट खड़ा हो सकता है जिससे भारतीयों को काफी बड़ा नुकसान झेलना पड़ सकता है।

भारत को कोयला डिस्काउंट पर मिला

भारत ऑस्ट्रेलिया से इस समय 12 से .15 प्रति टन की अकाउंट पर कोयला खरीद रहा है। यह वास्तव में दुनिया का सबसे सस्ता थर्मल कोल है जो बाजार में बेहतरीन क्वालिटी के कोयले के बराबर है। भारत में सीमेंट बनाने वाली और आयरन स्पोंज प्लांट घरेलू बाजार में कोयले की कमी से निपटने के लिए आस्ट्रेलियाई कोयला आयात करती हैं।

चीन ने बिगाड़े दोनों देशों से संबंध

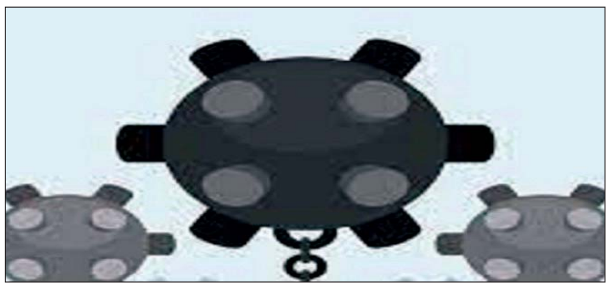

कुछ दिनों से चीन और ऑस्ट्रेलिया के संबंधों में खटास देखने को मिल रही है। इसके साथ ही पिछले दिनों से चीन से भारत के संबंध भी बहुत अच्छे नहीं चल रहे हैं। चीन में बिजली का जबरदस्त संकट है और आने वाली सर्दियों में यह संकट और बढ़ने की आशंका है। इसके बाद भी चीन ऑस्ट्रेलिया से कोयला आयात करने में दिलचस्पी नहीं ले रहा है। भारत की कंपनियों ने ऑस्ट्रेलिया से 20 लाख टन थर्मल कोल खरीदा है जो चीन के बंदरगाह पर पड़ा हुआ है।

संपादकीय

भारत का कड़ा रुख

चीन अपनी करतूतों से बाज नहीं आ रहा है। थोड़े दिनों की शांति के बाद वह अब वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर सैन्य तैनाती कर रहा है। कोढ़ में खाज यह कि पूर्वी लद्दाख में गतिरोध के लिए चीन ने भारत को ही दोषी ठहराया है। पूर्वी लद्दाख पर जो यथास्थिति बनी थी, उसे बदलने की चीन की एकतरफा करतूत ने शांति को गंभीर रूप से भंग कर दिया है। चीन की इस नापाक हरकत को देखते हुए भारत ने भी सशस्त्र बलों को उस इलाके में तैनात कर दिया है। दरअसल, चीन की विस्तारवादी नीति और हाल के दिनों में उसके खिलाफ बने क्वाड़ और ऑकस जैसे संगठनों से वह तिलमिला उठा है। इस खीझ को कम करने और भारत को परेशान करने की नीयत से उसने पहले तो पूर्वी लद्दाख की सीमा पर सैन्य बलों की तैनाती की। जब भारत ने जवाबी कार्रवाई की तो उल्टे भारत पर ही अशांति फैलाने का आरोप मढ़ दिया। एकाध मुल्क को छोड़ दें तो पूरी दुनिया को यह बात साफ तौर पर मालूम है कि चीन का असली चरित्र क्या है? पड़ोसी देशों के बारे में उसकी सोच कितनी खतरनाक और विभेदकारी है? विदित हो कि पिछले वर्ष पूर्वी लद्दाख में चीन की हिंसक कार्रवाई ने दोनों देशों के रिश्तों को काफी नुकसान पहुंचाया है। परिणामस्वरूप अब भारत चीन की किसी भी हरकत को नजरअंदाज नहीं कर सकता है। हमें अपनी ठोस तैयारी और चौकस निगाह रखनी ही होगी। शुरू के वर्षों में लापरवाह सियासी नेतृत्व और 'कुछ नहीं होगा' के चलताऊ रवैये के कारण देश ने काफी कुछ खोया है। मगर चीन को यह बात अच्छी तरह से मालूम होनी चाहिए कि भारत अब झुकने या दबने वाला देश नहीं है। अगर कोई गलत मंशा रखेगा तो उसका उसी रूप में जवाब दिया जाएगा। हालांकि सेना प्रमुख जनरल एम नरवणे की इस दलील में दम है कि दोनों देशों के बीच जब तक सीमा समझौता नहीं होगा तब तक सीमा पर छिटपुट हिंसा की घटनाएं होतीं रहेंगी। यानी हिंसा तनाव और साजिश के मूल में सीमा समझौता नहीं होना है। सेना प्रमुख के इस विचार को तवज्जो देने की जरूरत है। सरकार को इस मसले पर शीघ्र-अतिशीघ्र दोनों देशों के बीच बैठक का एजेंड़ा तय करना चाहिए। इन सबसे इतर हमें रणनीतिक और कूटनीतिक रूप से ताकतवर होना होगा। बिना इसके चीन से पार पाना मुश्किल होगा।

संकट और सवाल

पंजाब कांग्रेस में महत्वाकांक्षी नेताओं की आत्मघाती कोशिशें पार्टी को संकट की ओर धकेल रही हैं। पहले कैप्टन अमरेंद्र पर हमलावर होकर उन्हें इस्तीफा देने को बाध्य करने के बाद चन्नी सरकार से टकराव लेकर महज दो माह बाद राज्य अध्यक्ष पद से इस्तीफा देकर नवजोत सिद्धू ने उन आरोपों की पुष्टि की जो उनके धीर-गंभीर राजनेता न होने को लेकर लगाये जाते रहे हैं। उनके साथ एक मंत्री व कुछ सहयोगियों के इस्तीफे बता रहे हैं कि वे चन्नी सरकार को मुश्किल में डाल रहे हैं। वर्ष 2017 में स्पष्ट जनादेश पाने वाली कांग्रेस की राह आसन्न चुनाव में मुश्किल दिखायी दे रही है। महत्वाकांक्षाओं के टकराव व सत्ता में पकड़ की होड़ ने पार्टी को मुश्किल में डाल दिया है। निश्चित रूप से इस संकट की जवाबदेही से पार्टी का केंद्रीय नेतृत्व बच नहीं सकता, जिसने चार साल तक पार्टी सरकार के मुखिया की कारगुजारियों का मूल्यांकन नहीं किया। देखा जाना चाहिए था कि राज्य सरकार ने उन वादों पर कुछ काम किया जो चुनाव के वक्त पार्टी के घोषणापत्र में शामिल थे। इसमें बेअदबी के आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई, नशा तस्करों को राजनीतिक संरक्षण के आरोपों का निस्तारण, अवैध रेत खनन, शराब माफिया पर नकेल आदि वादों पर हुई कार्रवाई का मूल्यांकन होना चाहिए था। इन मुद्दों पर पार्टी में लंबे टकराव व आरोप-प्रत्यारोपों के दौर के बाद नवजोत सिद्धू को पंजाब कांग्रेस का अध्यक्ष बनाया गया था। टकराव फिर भी नहीं थमा और नतीजा कैप्टन के इस्तीफे के रूप में सामने आया। अब जब चन्नी नये मुख्यमंत्री बने हैं तो नई नियुक्तियों को लेकर सिद्धू ने विवाद खड़े कर दिये। यहां तक चरणजीत चन्नी की मुख्यमंत्री की ताजपोशी को भी सिद्धू ने सहजता से नहीं लिया। मंत्रिमंडल में शामिल मंत्रियों तथा महाधिवक्ता की नियुक्ति पर सवाल खड़े किये। जाहिर है जब राज्य में विधानसभा चुनाव में कुछ ही वक्त रह गया है तो ये घटनाक्रम पार्टी की छवि के लिये घातक ही होगा।

निस्संदेह, हालिया घटनाक्रम का यही निष्कर्ष है कि पार्टी आलाकमान ने सिद्धू को कांग्रेस अध्यक्ष बनाकर जो राजनीतिक प्रयोग किया वह दांव महज दो माह में ही उलटा पड़ गया है। केंद्रीय नेतृत्व के फैसले मौजूदा चुनौतियों में खरे नहीं उतरे हैं। यह साफ है कि कांग्रेस हाईकमान राज्य की राजनीतिक जटिलताओं का सही आकलन नहीं कर पाया। सिद्धू की छवि पहले से ही चंचल व अपरिपक्व व्यवहार की रही है, जिसे जिम्मेदार राजनेता का गुण तो कदापि नहीं माना जा सकता। वहीं हाईकमान ने अकाली-भाजपा गठबंधन सरकार से सत्ता छीनने वाले अनुभवी राजनेता कैप्टन अमरेंद्र के राजनीतिक कौशल का सही मूल्यांकन नहीं किया। कैप्टन पहले भी कहते रहे हैं कि सुरक्षा की दृष्टि से संवेदनशील सीमावर्ती राज्य पंजाब का नेतृत्व करने में सिद्धू सक्षम नहीं हैं। शायद सिद्धू को उम्मीद थी कि संबल दे रहा केंद्रीय नेतृत्व उन्हें मुख्यमंत्री की कुर्सी दे देगा। लेकिन जब आलाकमान ने चरणजीत चन्नी को सत्ता की बागडोर सौंपी दी और मंत्री बनाने व नियुक्तियों में उनकी नहीं चली तो वे धैर्य खोकर अध्यक्ष पद से इस्तीफा दे बैठे। लेकिन इस राजनीतिक घटनाक्रम ने राज्य के हाशिये पर गये राजनीतिक दलों को हमलावर होने व अनुकूल जमीन तैयार करने का मौका जरूर उपलब्ध करा दिया। वह भी ऐसे समय में जब विधानसभा चुनाव के चंद महीने बाकी रह गये हैं। पार्टी हाईकमान को सोचना चाहिए था कि भले ही सिद्धू ऊर्जावान हों, सक्रिय हों व सुर्खियां बटोरने की कला जानते हों, लेकिन राजनीति में धीर-गंभीर होना पहली शर्त है। पुराने व अनुभवी राजनेताओं का कोई विकल्प नहीं होता। पार्टी की रीति-नीतियों का ध्यान रखना होता है। यूं ही तुनकमिजाजी राजनीति में नहीं चलती। फलस्वरूप हालिया इस्तीफे से कांग्रेस खुद को असहज महसूस कर रही है।

कांग्रेस में जंग, ओल्ड बनाम यंग

उपेन्द्र राय

देश की सबसे पुरानी पार्टी कांग्रेस इन दिनों अंतर्कलह को लेकर काफी चर्चा में है।

एक विरोध तो सत्ता के खिलाफ है, जो उसके प्रमुख विपक्षी दल होने के नाते लोकतंत्र की स्वाभाविक प्रक्रिया है, लेकिन कांग्रेस का जो विरोध ज्यादा सुर्खियां बटोर रहा है, वह उसका अंदरूनी संकट है, जो सबसे पुराने राजनीतिक दल के अस्तित्व को ही चुनौती देता दिख रहा है। ढाई साल से बिना पूर्णकालिक अध्यक्ष वाली पार्टी ऐसी दिशाहीनता की शिकार है, जिसमें बुजुर्ग नेता हाशिए पर डाले जा रहे हैं और युवा सियासी भविष्य की तलाश में पार्टी छोड़कर जा रहे हैं। नतीजतन, कांग्रेस का संगठन बिखर रहा है और जनाधार लगातार सिमटता जा रहा है।

आज कांग्रेस इस हालत में पहुंची है, तो इसका जिम्मेदार कौन है? दबी जुबान में यह सवाल कांग्रेस में काफी समय से पूछा जा रहा है। अब जब पानी सिर से गुजरता दिख रहा है, तो विरोध की आवाजें भी मुखर हो रही हैं। जी-23 गुट से लेकर नटवर सिंह जैसे खांटी कांग्रेसी अब खुलकर सामने आ रहे हैं, जिससे यह बात साफ हो रही है कि केंद्रीय नेतृत्व को लेकर बड़े नेताओं में भी संशय की स्थिति है। कई मुश्किल मौकों पर पार्टी के रणनीतिकार रहे कपिल सिब्बल जैसे नेता अगर यह कहने लगें कि पता ही नहीं चल रहा है कि पार्टी के फैसले कौन ले रहा है, तो हालात समझे जा सकते हैं। ऐसी नौबत तब आती है, जब नेतृत्व अपने नेताओं से दूर हो जाता है और अपने भी उसे कमजोर मानने लगते हैं। इस उथल-पुथल की तात्कालिक वजह बने पंजाब में आखिर क्या हुआ? कैप्टन अमरिंदर सिंह, नवजोत सिंह सिद्धू, हरीश रावत, सुनील जाखड़ हर नेता की अपनी अलग राय थी और कोई किसी की सुनने को तैयार नहीं था, केंद्रीय नेतृत्व की भी नहीं। नतीजा क्या हुआ? अच्छी-खासी चल रही सरकार के सामने सवाल खड़ा हो गया है कि चुनाव बाद की तो छोड़िए, चुनाव तक भी वह टिक पाएगी या नहीं? पंजाब ही क्यों, राजस्थान और छत्तीसगढ़ में भी कांग्रेस की सरकारें मतभेदों की ऐसी दरकती दीवारों पर टिकी दिख रही हैं, जो किसी भी वक्त ढह सकती हैं।

> “अकेले … र दांव लग … क्या कांग्रेस … टने में कामय … एगी? शायद न … स को अपने … संगठन और चुन … वाली सोशल इ … ग पर भी गौ … होगा। पंजाब में दलित मुख्यमंत्री की ताजपोशी शायद ऐसी ही एक शुरु आत है। ऐसी भी खबरें हैं कि पितृपक्ष समाप्त होने के बाद कांग्रेस संगठन को दुरु स्त करने की कवायद भी शुरू हो जाएगी जिसमें सचिन पायलट केसी वेणुगोपाल बीबी श्रीनिवास जैसे युवा नेताओं का कद और जिम्मेदारी बढ़ाई जाएगी। सचिन पायलट को गुर्जर बाहुल्य वाले पश्चिमी यूपी की जिम्मेदारी देकर प्रियंका गांधी को दोबारा केंद्रीय राजनीति में सक्रिय किया जा सकता है”

आखिर, क्या वजह है कि सवा सौ-साल से भी ज्यादा पुरानी और अनुभवी कांग्रेस अपने ही नेताओं को नहीं परख पा रही है। सेनापति की कमी के साथ-साथ इसमें पार्टी में चल रही ओल्ड बनाम यंग की जंग का भी हाथ माना जा रहा है। इस बात की चर्चा जोरों पर है कि दोबारा पार्टी का अध्यक्ष बनने से पहले राहुल गांधी पार्टी पर पूरा नियंत्रण चाहते हैं, जिसमें सीनियर नेताओं की दखलअंदाजी न हो। 2018 में जब कांग्रेस ने तीन राज्य फतह किए थे, तब राहुल मध्य प्रदेश में ज्योतिरादित्य सिंधिया और राजस्थान में सचिन पायलट को मुख्यमंत्री बनाना चाहते थे, लेकिन बुजुर्ग लॉबी के दबाव के आगे उन्हें झुकना पड़ा और कमलनाथ और अशोक गहलोत के नाम पर उन्हें राजी होना पड़ा। आगे चलकर इन दोनों नेताओं ने अपने-अपने राज्यों में जिस तरह सिंधिया और पायलट को किनारे लगाया वो अब इतिहास बन चुका है। सिंधिया पार्टी छोड़कर जा चुके हैं और मध्य प्रदेश में कांग्रेस की सरकार भी जा चुकी है, वहीं पायलट अब तक अपनी बारी का इंतजार कर रहे हैं। संगठन के बुजुर्ग नेताओं को छोड़ भी दिया जाए, तो सत्ता पर काबिज रहे कैप्टन अमरिंदर सिंह और अशोक गहलोत जैसे नेता लगातार राहुल और प्रियंका की अनदेखी करते रहे हैं। अमरिंदर सिंह ने तो पार्टी में रहते हुए ही राहुल-प्रियंका को अनुभवहीन तक कह दिया था।

बहरहाल, कांग्रेस के अंदरखाने ही नहीं, बाहर भी अब यह बात पानी की तरह साफ हो चुकी है कि अध्यक्ष पद से राहुल गांधी के इस्तीफे की वजह पार्टी की बुजुर्ग लॉबी ही थी और राहुल अब दोबारा उस गलती को दोहराना नहीं चाहते। महाराष्ट्र की गठबंधन सरकार में सहयोगी शिवसेना ने तो इस विवाद को नया एंगल दे दिया है। शिवसेना के अनुसार राहुल गांधी तो कांग्रेस के किले की मरम्मत करना चाहते हैं और किले के सीलन और गड्ढों को भरना चाहते हैं, लेकिन पुराने लोगों ने उन्हें रोकने और कांग्रेस को डुबोने के लिए बीजेपी से हाथ मिला लिया है। हालांकि शिवसेना को भी लगता है कि जिस तरह बिना सिर के शरीर का कोई फायदा नहीं, उसी तरह बिना अध्यक्ष के कांग्रेस की गत भी नहीं सुधरेगी। हाल के घटनाक्रम के बाद लगता है कि कांग्रेस इस मामले में कोई निर्णायक कदम उठाने की तैयारी में है। पंजाब में कैप्टन अमरिंदर सिंह की विदाई और कन्हैया कुमार और जिग्नेश मेवाणी की एंट्री बुजुर्ग नेताओं को साफ संदेश है कि अब पार्टी में उनकी दाल ज्यादा दिन तक नहीं गलने वाली। 28 सितम्बर को जब ये दोनों नेता कांग्रेस हेडक्वार्टर में राजनीति के इस 'बड़े जहाज' पर सवार हो रहे थे, तब कांग्रेस के आधिकारिक ट्विटर हैंडल का एक संदेश भविष्य की रणनीति की झलक दिखा रहा था। यह संदेश था 'जब युवा एकजुट होकर उठता है, तो तानाशाही बिखर जाती है'। इस संदेश से यह तो स्पष्ट होता है कि कांग्रेस अब युवाओं को अपने साथ जोड़ने जा रही है, लेकिन इस रणनीति का रोडमैप क्या होगा? अकेले युवाओं पर दांव लगाने भर से क्या कांग्रेस बाजी पलटने में कामयाब हो जाएगी? शायद नहीं। कांग्रेस को अपने कमजोर संगठन और चुनाव जीतने वाली सोशल इंजीनियरिंग पर भी गौर करना होगा। पंजाब में दलित मुख्यमंत्री की ताजपोशी शायद ऐसी ही एक शुरु आत है। ऐसी भी खबरें हैं कि पितृपक्ष समाप्त होने के बाद कांग्रेस संगठन को दुरु स्त करने की कवायद भी शुरू हो जाएगी, जिसमें सचिन पायलट, केसी वेणुगोपाल बीबी श्रीनिवास जैसे युवा नेताओं का कद और जिम्मेदारी बढ़ाई जाएगी। सचिन पायलट को गुर्जर बाहुल्य वाले पश्चिमी यूपी की जिम्मेदारी देकर प्रियंका गांधी को दोबारा केंद्रीय राजनीति में सक्रिय किया जा सकता है। इन सब के बीच चुनावी रणनीतिकार प्रशांत किशोर पर्दे के पीछे से युवाओं को जोड़ने वाले उसी रोल में दिख सकते हैं, जैसे अहमद पटेल कभी कांग्रेस के बुजुर्गो को साधे रखते थे।

बहरहाल, सतह पर दिख रही कलह हो या अंदर-ही-अंदर संगठन में बड़े बदलाव की तैयारी, इतना तो साफ है कि कांग्रेस अब बड़े बदलाव की ओर बढ़ रही है। मतभेद, टकराव और निराशा के माहौल में आम कार्यकर्ता से लेकर पार्टी के वफादार नेता नेतृत्व से उम्मीद लगा रहे हैं। ऐसे हालात में सीडब्ल्यूसी की बैठक कांग्रेस के लिए अमृत मंथन का काम कर सकती है, लेकिन तब भी यह सवाल तो पूछा ही जाएगा कि इस मंथन से निकलने वाले विष का घूंट कौन अपने गले उतारेगा? इस सवाल का जवाब इसलिए जरूरी हो जाता है, क्योंकि इसी विष का सेवन कांग्रेस को नई सियासी लाइफलाइन देने का काम करेगा।

वैश्विकी

अफगान की निर्वासित सरकार का भविष्य!

डॉ. दिलीप चौबे

अफगानिस्तान में अपना पांव जमाने और शासन तंत्र पर शिंकजा मजबूत करने के बाद तालिबान आतंकवादियों के समक्ष अपनी हुकूमत को अंतरराष्ट्रीय मान्यता दिलाने की चुनौती है।

दूसरी ओर स्विट्जरलैंड में पिछली निर्वाचित सरकार के नेताओं ने निर्वासित सरकार के गठन की घोषणा की है। जेनेवा स्थित अफगान दूतावास इस निर्वासित सरकार का मुख्य केंद्र है। ताजिकिस्तान के बाद स्विट्जरलैंड दूसरा देश है जहां अफगान दूतावास ने अपनी निष्ठा पिछली सरकार के प्रति व्यक्त की है। भारत सहित अन्य देशों में स्थित दूतावास अभी भी 'प्रतीक्षा करो और देखो' की मुद्रा में हैं। वैधानिक रूप से अमरुल्लाह सालेह देश के कार्यकारी राष्ट्रपति हैं।

पंजशीर प्रतिरोध के कमजोर होने के बाद सालेह और प्रतिरोध के दूसरे नेता मसूद इस समय कहां हैं, यह स्पष्ट नहीं है। प्रतिरोध के लड़ाकुओं ने घाटी में तालिबान के कब्जे के बाद पहाड़ियों पर शरण ले रखी है। कुछ ही समय बाद शीतकाल में इन पहाड़ियों पर रह पाना बहुत दुष्कर होगा। देखने वाली बात यह होगी कि तालिबान विरोधी लड़ाकू आगे क्या रणनीति अपनाते हैं?

पूरी दुनिया ने इस जमीनी हकीकत को स्वीकार कर लिया है कि व्यावहारिक रूप से पूरे देश पर तालिबान का कब्जा है। देश के अंदर या बाहर तालिबान को लंबे समय तक कहीं से चुनौती मिलेगी इसकी संभावना फिलहाल नजर नहीं आती। ऐसे में अमरुल्लाह सालेह की निर्वासित सरकार को शायद ही कोई देश मान्यता दे। हालांकि संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद सहित

कई मंचों पर पिछली सरकार के प्रतिनिधि शामिल हो रहे हैं। महासभा के पिछले अधिवेशन में तालिबान के प्रतिनिधि मोहम्मद सुहेल शाहीन को शामिल होने की अनुमति नहीं दी गई।

अब अंतरराष्ट्रीय बिरादरी के सामने यह सवाल है कि तालिबान हुकूमत को कब और किन शतरे पर मान्यता दी जाए। विश्व समुदाय इस बात पर एकमत है कि अफगान आवाम को यथाशीघ्र मानवीय सहायता उपलब्ध कराई जाए, लेकिन उसका जोर इस बात पर है कि यह सहायता संयुक्त राष्ट्र और अंतरराष्ट्रीय एजेंसियों के माध्यम से कराई जाए। तालिबान किस सीमा तक अंतरराष्ट्रीय एजेंसियों को अपने यहां बाधारहित काम करने की अनुमति देंगे यह स्पष्ट नहीं है।

अफगानिस्तान के दुखद घटनाक्रम में केवल संतोष की बात यह है कि पूरी दुनिया मानवाधिकारों के संरक्षण, महिलाओं एवं बालिकाओं के अधिकार और अल्पसंख्यकों की सुरक्षा पर जोर दे रही है। काबुल पर तालिबान के कब्जे का मुख्य सूत्रधार कतर भी तालिबान को ऐसा करने की सलाह दे रहा है। सऊदी अरब का रवैया तो और तल्ख है। वह तालिबान को मानवाधिकारों के उल्लंघन के लिए जवाबदेह ठहराने की मांग कर रहा है। यह बड़ी विडंबना है कि तालिबान जिस कट्टरपंथी वहाबी विचारधारा से उपजे हैं, वह विचारधारा सऊदी अरब और कतर की 'राष्ट्रीय विचारधारा' है। दोनों देश पूरी दुनिया में वहाबी विचारधारा के प्रचार-प्रसार के लिए मदरसों और मुस्लिम संगठनों को धनराशि उपलब्ध कराते हैं। भारत में भी वहाबी इस्लाम ने पांव पसारना शुरू कर दिया है। यह जाल कितना बड़ा है और इससे कैसे निपटा जाए, यह सुरक्षा एजेंसियों के लिए गंभीर चुनौती है। विश्व बिरादरी को वास्तव में सऊदी अरब और कतर को कठघरे में खड़ा करना चाहिए। इन देशों ने बबूल के पेड़ बोए और आज कह रहे हैं कि इन पर आम फलने चाहिए।

अफगानिस्तान के मामले में भारत एक दूरदृष्टि संपन्न नैतिक शक्ति के रूप में उभरा है। भारत ही एकमात्र देश है जिसने तालिबान आतंकवादियों के खतरे को पहचान कर उसे किसी प्रकार की वैधानिकता प्रदान नहीं की। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने हाल ही में इसी ओर संकेत किया कि दोहा समझौते के दौरान भारत को विश्वास में नहीं लिया गया। दुनिया ने यदि भारत की बात सुनी होती तो अफगान की त्रासदी से बचा जा सकता था। अफगानिस्तान में भारत ने वहां के विकास के लिए बहुत बड़ी धनराशि खर्च की थी। साथ ही ईरान का चाहबार बंदरगाह भी अफगानिस्तान को समुद्री पहुंच मुहैया कराने पर केंद्रित था। लगता है इन सब पर पानी फिर गया। पूरे घटनाक्रम पर सबसे सटीक टिप्पणी यह है कि भारत ने काबुल में लोकतांत्रिक सरकार के लिए जिस संसद भवन का निर्माण किया था, उसमें आज तालिबान आतंकवादी बैठ रहे हैं।

विदेशी मीडिया

विश्व राजनीति के ये क्षण

राजनीति के लिहाज से सितंबर काफी व्यस्त महीना रहा। दुनिया के कई देशों में आम चुनाव हुए और नेतृत्व में बदलाव की सूरत में भी लगभग सभी मामलों में निरंतरता कायम रही। जापान के हालिया घटनाक्रम अनूठे हैं। सत्तारूढ़ लिबरल डेमोक्रेटिक पार्टी के मुखिया चुने जाने के बाद फूमियो किशिदा ने यह आश्वासन दिया है कि पिछले दशक की पुरानी नीतियां जारी रहेंगी। यद्यपि, स्थिरता महत्वपूर्ण पहलू है, लेकिन तेजी से बढ़ती चुनौतियों के इस दौर में सरकारों को और भी बहुत कुछ करने की जरूरत पड़ेगी। पिछले महीने रूस में संसदीय चुनाव हुए, जिनके नतीजों ने कोई हैरानी नहीं पैदा की। राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की यूनाइटेड रूस पार्टी ने इन चुनावों में 314 सीटें जीतकर अपना दबदबा कायम रखा। हालांकि, स्वतंत्र पर्यवेक्षकों ने इस जबर्दस्त जीत के पीछे भारी फर्जीवाड़े का आरोप लगाया है। बहरहाल, इस जीत का इस्तेमाल दुनिया को यह दिखाने के लिए किया जाएगा कि पुतिन रूस की राजनीतिक व्यवस्था पर चट्टानी पकड़ रखते हैं और उन्हें रूसी अवाम का भारी समर्थन हासिल है। कनाडा में भी उसी सप्ताहांत में चुनाव हुए। एक अल्पमत सरकार की दो वर्षों तक अगुवाई करने के बाद बहुमत हासिल करने के इरादे से प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रुडेव ने चुनाव कराए थे। उनकी लिबरल पार्टी की इसमें जीत हुई और 2019 के चुनावों के मुकाबले इसने चार सीटें अधिक जीती हैं, फिर भी अपने बूते संसदीय बहुमत से यह 11 सीट पीछे रह गई। एक विश्लेषक के मुताबिक, लिबरल पार्टी को मिले 31.8 प्रतिशत वोट कनाडा के इतिहास में अब तक विजयी रही किसी भी पार्टी का सबसे छोटा मत-प्रतिशत है। शायद सबसे अहम चुनाव में पिछले हफ्ते जर्मन मतदाताओं ने एंगेला मर्केल के उत्तराधिकारी का चयन किया। क्रिश्चियन डेमोक्रेटिक यूनियन की मुखिया मर्केल पिछले 16 वर्षों से जर्मनी और यूरोप की स्थिरता का एक मजबूत स्तंभ रहीं। यह पहले से कहा जा रहा था कि वहां इस बार काफी करीबी मुकाबला होगा। वहां किसी को भी स्पष्ट जनादेश नहीं आया है।

स्मृति शेष

शास्त्रीय संगीत की दुर्लभ प्रतिभा की स्मृति

आलोक पराड़कर

हर नगर में कुछ लोग ऐसे होते हैं, जो दूसरे प्रदेशों या नगरों से आते हैं और फिर उस नगर में इस तरह रच-बस जाते हैं कि उसकी पहचान में शामिल हो जाते हैं। पंडित बलवंत राय भट्ट जिन्हें 'भावरंग' के उपनाम से भी खूब जाना गया, गुजरात के भावनगर में जन्मे, मुंबई में संगीत शिक्षा ली, लेकिन अपने गुरु पंडित ओंकार नाथ ठाकुर के मार्गदर्शन में बनारस इस तरह आए कि इसी नगर के हो गए। वे एक प्रसिद्ध वाग्गेयकार, शास्त्रीय गायक एवं संगीत शिक्षक थे। इस 23 सितम्बर को उनके जन्म को सौ साल हो गए।

भावरंग नेत्रहीन थे। बचपन में चेचक और चोट लगने से उनकी नेत्रज्योति चली गई थी। उन्होंने मुंबई के नेत्रहीनों के विद्यालय विक्टोरिया मेमोरियल स्कूल फॉर द ब्लाइंड में पढ़ाई की और फिर संगीत के प्रति अपने अनुराग के कारण पंडित ओंकार नाथ ठाकुर के संगीत निकेतन आ गए। बताते हैं कि पंडित जी पहले उन्हें संगीत सिखाने को सहमत नहीं थे क्योंकि गुजरात के विद्यार्थियों को लेकर उनके अनुभव अच्छे नहीं थे। मुंबई के नेत्रहीनों के उस विद्यालय-जिसमें भट्ट जी पढ़ते थे-के प्रबंधक के निवेदन पर पंडित जी सहमत हुए। थोड़े ही समय में भट्ट जी ने अपने परिश्रम और प्रतिभा की ऐसी छाप छोड़ी कि पंडित जी के प्रिय हो गए। पंडित ओंकारनाथ ठाकुर के मुख्य शिष्यों में उनकी गणना होने लगी। लंबे समय से संगीत के कार्यक्रमों का श्रोता रहा हूं, कई दिग्गज कलाकारों से निकटता भी रही है। इन कलाकारों के बीच एक बात महसूस होती रही है। अक्सर जिन्हें शास्त्र का जानकार पाया है, प्रस्तुतियों में उतने प्रभावी नहीं लगे हैं। ज्यादातर जो अपने संगीत से हमें गहरे तक आनंदित कर जाते हैं वे शास्त्र की गहराइयों में बहुत दूर तक नहीं जा पाते हैं। शास्त्र और प्रयोग दोनो को साध पाना अक्सर संभव होता नहीं दिखता। पंडित बलवंत राय भट्ट कलाकारों में इस मायने में अपवाद भी थे कि उन्होंने न सिर्फ अच्छी संगीत प्रस्तुतियां कीं, शास्त्र में भी उनकी गहरी दखल रही। पंडित ओंकारनाथ ठाकुर जब काशी हिंदू विविद्यालय के संगीत एवं मंच कला संकाय (तत्कालीन संगीत कला भारती) आए तो भट्ट जी भी यहां आ गए। उन्हें इस संकाय का नींव का पत्थर कहना गलत न होगा। करीब 31 वर्षो तक यहां अध्यापन किया और सैकड़ों विद्यार्थियों को संगीत शिक्षा दी। उनके विद्यार्थियों ने विदेश में भी हिंदुस्तानी शास्त्रीय संगीत का प्रचार-प्रसार किया है।

संगीत की दुनिया में वाग्गेयकार वह होता है जो वाक् और गेय दोनों की रचना करे अर्थात काव्य भी लिखे और उसे स्वर-लय में निबद्ध भी करे। कम ही उदाहरण हैं, जब कोई कलाकार श्रेष्ठ वाग्गेयकार भी हो। पंडित बलवंत राय भट्ट श्रेष्ठ वाग्गेयकार माने गए हैं। उनकी बंदिशें खूब गाई, बजाई जाती रहीं। विभिन्न विषयों पर कई रागों में उन्होंने ढेर सारी बंदिशें रची हैं। इस प्रतिभा से उनके गुरु पंडित ओंकारनाथ ठाकुर इतने अभिभूत हुए कि उन्होंने एक बार यहां तक कह दिया, 'रचना के क्षेत्र में भले 'सदारंग', 'अदारंग' को भूल जाए लेकिन 'भावरंग' को कभी नहीं भूलेंगे।' भट्टजी की खास बात यह भी थी कि वे अपनी बंदिशों के लिए प्राय: अप्रचलित तालों को चुनते थे। आड़ा चौताल उन्हें काफी प्रिय था। उनकी बंदिशों में लय और ताल की खूबियों से भी जानकार उनकी बंदिशों को पहचान लेते हैं। उनकी बंदिशों का संकलन 'भावरंग लहरी' के तीन भागों में है। पुणो के सुरेश तलवरकर प्रसिद्ध तबला वादक हैं। एक बार उनके प्रदर्शन के दौरान दोनों हाथों से अलग-अलग तालों को गिनते देखकर मैं काफी प्रभावित हुआ था। बाद में मैंने जाना कि पंडित बलवंत राय भट्ट 'भावरंग' काफी पहले इस तरह के प्रदर्शन करते रहे हैं। 'भावरंग' ने गायन के साथ ही कई सारे वाद्यों को भी साधा। वे इन वाद्यों पर दिग्गज कलाकारों के साथ संगत भी कर चुके थे।

उनके समकालीन और उनकी बाद की पीढ़ी के कलाकारों की स्मृति में वे एक गंभीर संगीत श्रोता के तौर पर भी हैं। बताते हैं कि वे आकाशवाणी से नियमित तौर पर शास्त्रीय संगीत के कार्यक्रमों को सुनते थे। कार्यक्रम सुनने के बाद वे अक्सर कलाकारों को फोनकर उनसे उनके कार्यक्रम की खूबियों और खामियों पर भी चर्चा करते थे। इतना ही नहीं वे आकाशवाणी के अधिकारियों को भी इन कार्यक्रमों के संबंध में परामर्श देते थे।

संगीत समारोहों में उनकी उपस्थिति महत्त्वपूर्ण होती थी। वे कार्यक्रम के दौरान मात्राएं गिना करते थे। एक बार उन्होंने लक्ष्मण कृष्णराव पंडित जी से उनके कार्यक्रम के बाद कहा था कि तुम्हारा गाना तो अच्छा रहा, लेकिन तुम्हारा तबलिया बेताला था। जब एल.के.पंडित ने अपने तबला संगतकार को बताया, जो खुद एक प्रसिद्ध तबला वादक था, तो उसे बहुत आश्चर्य हुआ। पंडित बलवंत राय भट्ट 'भावरंग' को पद्मश्री के साथ ही कालिदास सम्मान, केंद्रीय संगीत नाटक अकादमी सम्मान, उप्र संगीत नाटक अकादमी का सम्मान और रत्न सदस्यता से सम्मानित किया गया था। ऐसी प्रतिभाएं निश्चय ही दुर्लभ और सम्मान योग्य हैं। जन्मशताब्दी के अवसर पर उन्हें नमन एवं श्रद्धांजलि।

वर्ष के चार नवरात्रों में चैत्र, आषाढ़, आश्विन और माघ की शुक्ल प्रतिपदा से नवमी तक नौ दिन के होते हैं, परंतु प्रसिद्धि में चैत्र और आश्विन के नवरात्र ही मुख्य माने जाते हैं। नवरात्र में देवी माँ के व्रत रखे जाते हैं। स्थान-स्थान पर देवी माँ की मूर्तियाँ बनाकर उनकी विशेष पूजा की जाती है। मान्यता है कि नवरात्र में महाशक्ति की पूजा कर श्रीराम ने अपनी खोई हुई शक्ति पाई, इसलिए इस समय आदिशक्ति की आराधना पर विशेष बल दिया गया है।

ऊर्जा का उत्सव नवरात्री

नवरात्रि एक हिंदू पर्व है। नवरात्रि संस्कृत शब्द है, जिसका अर्थ होता है नौ रातें। यह पर्व साल में चार बार आता है। चैत्र, आषाढ, अश्विन, पोषप्रतिपदा से नवमी तक मनाया जाता है। नवरात्रि के नौ रातो में तीन देवियों - महाकाली, महालक्ष्मी और महासरस्वतीया सरस्वतीकि तथा दुर्गा के नौ स्वरुपों की पूजा होती है जिन्हे नवदुर्गा कहते हैं। नौ देवियाँ है - श्री शैलपुत्री, श्री ब्रह्मचारिणी, श्री चंद्रघंटा, श्री कुष्मांडा, श्री स्कंदमाता, श्री कात्यायनी, श्री कालरात्रि, श्री महागौरी, श्री सिद्धिदात्री।

शक्ति की उपासना का पर्व शारदेय नवरात्र प्रतिपदा से नवमी तक निश्चित नौ तिथि, नौ नक्षत्र, नौ शक्तियों की नवधा भक्ति के साथ सनातन काल से मनाया जा रहा है। सर्वप्रथम श्रीरामचंद्रजी ने इस शारदीय नवरात्रि पूजा का प्रारंभ समुद्र तट पर किया था और उसके बाद दसवें दिन लंका विजय के लिए प्रस्थान किया और विजय प्राप्त की। तब से असत्य, अधर्म पर सत्य, धर्म की जीत का पर्व दशहरा मनाया जाने लगा। आदिशक्ति के हर रूप की नवरात्र के नौ दिनों में क्रमशः अलग-अलग पूजा की जाती है। माँ दुर्गा की नौवीं शक्ति का नाम सिद्धिदात्री है। ये सभी प्रकार की सिद्धियाँ देने वाली हैं। इनका वाहन सिंह है और कमल पुष्प पर ही आसीन होती हैं। नवरात्रि के नौवें दिन इनकी उपासना की जाती है। नवदुर्गा और दस महाविधाओं में काली ही प्रथम प्रमुख हैं। भगवान शिव की शक्तियों में उग्र और सौम्य, दो रूपों में अनेक रूप धारण करने वाली दस महाविधाएँ अनंत सिद्धियाँ प्रदान करने में समर्थ हैं। दसवें स्थान पर कमला वैष्णवी शक्ति हैं, जो प्राकृतिक संपत्तियों की अधिष्ठात्री देवी लक्ष्मी हैं। देवता, मानव, दानव सभी इनकी कृपा के बिना पंगु हैं, इसलिए आगम-निगम दोनों में इनकी उपासना समान रूप से वर्णित है। सभी देवता, राक्षस, मनुष्य, गंधर्व इनकी कृपा-प्रसाद के लिए लालायित रहते हैं।

प्रमुख कथा

लंका-युद्ध में ब्रह्माजी ने श्रीराम से रावण वध के लिए चंडी देवी का पूजन कर देवी को प्रसन्न करने को कहा और बताए अनुसार चंडी पूजन और हवन हेतु दुर्लभ एक सौ आठ नीलकमल की व्यवस्था की गई। वहीं दूसरी ओर रावण ने भी अमरता के लोभ में विजय कामना से चंडी पाठ प्रारंभ किया। यह बात इंद्र देव ने पवन देव के माध्यम से श्रीराम के पास पहुँचाई और परामर्श दिया कि चंडी पाठ यथासभंव पूर्ण होने दिया जाए। इधर हवन सामग्री में पूजा स्थल से एक नीलकमल रावण की मायावी शक्ति से गायब हो गया और राम का संकल्प टूटता-सा नजर आने लगा। भय इस बात का था कि देवी माँ रुष्ट न हो जाएँ। दुर्लभ नीलकमल की व्यवस्था तत्काल असंभव थी, तब भगवान राम को सहज ही स्मरण हुआ कि मुझे लोग कमलनयन नवकंच लोचन कहते हैं, तो क्यों न संकल्प पूर्ति हेतु एक नेत्र अर्पित कर दिया जाए और प्रभु राम जैसे ही तूणीर से एक बाण निकालकर अपना नेत्र निकालने के लिए तैयार हुए, तब देवी ने प्रकट हो, हाथ पकड़कर कहा- राम मैं प्रसन्न हूँ और विजयश्री का आशीर्वाद दिया। वहीं रावण के चंडी पाठ में यज्ञ कर रहे ब्राह्मणों की सेवा में ब्राह्मण बालक का रूप धर कर हनुमानजी सेवा में जुट गए। निःस्वार्थ सेवा देखकर ब्राह्मणों ने हनुमानजी से वर माँगने को कहा। इस पर हनुमान ने विनम्रतापूर्वक कहा- प्रभु, आप प्रसन्न हैं तो जिस मंत्र से यज्ञ कर रहे हैं, उसका एक अक्षर मेरे कहने से बदल दीजिए। ब्राह्मण इस रहस्य को समझ नहीं सके और तथास्तु कह दिया। मंत्र में जयादेवी... भूर्तिहरिणी में ह के स्थान पर क उच्चारित करें, यही मेरी इच्छा है। भूर्तिहरिणी यानी कि प्राणियों की पीड़ा हरने वाली और करिणी का अर्थ हो गया प्राणियों को पीड़ित करने वाली, जिससे देवी रुष्ट हो गईं और रावण का सर्वनाश करवा दिया। हनुमानजी महाराज ने श्लोक में ह की जगह क करवाकर रावण के यज्ञ की दिशा ही बदल दी।

अन्य कथाएं

इस पर्व से जुड़ी एक अन्य कथा अनुसार देवी दुर्गा ने एक भैंस रूपी असुर अर्थात महिषासुर का वध किया था। पौराणिक कथाओं के अनुसार महिषासुर के एकाग्र ध्यान से बाध्य होकर देवताओं ने उसे अजय होने का वरदान दे दिया। उसको वरदान देने के बाद देवताओं को चिंता हुई कि वह अब अपनी शक्ति का गलत प्रयोग करेगा। और प्रत्याशित प्रतिफल स्वरूप महिषासुर ने नरक का विस्तार स्वर्ग के द्वार तक कर दिया और उसके इस कृत्य को देख देवता विस्मय की स्थिति में आ गए। महिषासुर ने सूर्य, इन्द्र, अग्नि, वायु, चन्द्रमा, यम, वरुण और अन्य देवताओं के सभी अधिकार छीन लिए हैं और स्वयं स्वर्गलोक का मालिक बन बैठा। देवताओं को महिषासुर के प्रकोप से पृथ्वी पर विचरण करना पड़ रहा है। तब महिषासुर के इस दुस्साहस से क्रोधित होकर देवताओं ने देवी दुर्गा की रचना की। ऐसा माना जाता है कि देवी दुर्गा के निर्माण में सारे देवताओं का एक समान बल लगाया गया था। महिषासुर का नाश करने के लिए सभी देवताओं ने अपने अपने अस्त्र देवी दुर्गा को दिए थे और कहा जाता है कि इन देवताओं के सम्मिलित प्रयास से देवी दुर्गा और बलवान हो गईं थी। इन नौ दिन देवी-महिषासुर संग्राम हुआ और अन्ततः महिषासुर-वध कर महिषासुर मर्दिनी कहलायीं।

निर्माणाधीन मूर्तियां

चौमासे में जो कार्य स्थगित किए गए होते हैं, उनके आरंभ के लिए साधन इसी दिन से जुटाए जाते हैं। क्षत्रियों का यह बहुत बड़ा पर्व है। इस दिन ब्राह्मण सरस्वती-पूजन तथा क्षत्रिय शस्त्र-पूजन आरंभ करते हैं। विजयादशमी या दशहरा एक राष्ट्रीय पर्व है। अर्थात आश्विन शुक्ल दशमी को सायंकाल तारा उदय होने के समय विजयकाल रहता है। यह सभी कार्यों को सिद्ध करता है। आश्विन शुक्ल दशमी पूर्वविद्धा निषिद्ध, परविद्धा शुद्ध और श्रवण नक्षत्रयुक्त सूर्योदयव्यापिनी सर्वश्रेष्ठ होती है। अपराह्न काल, श्रवण नक्षत्र तथा दशमी का प्रारंभ विजय यात्रा का मुहूर्त माना गया है। दुर्गा-विसर्जन, अपराजिता पूजन, विजय-प्रयाग, शमी पूजन तथा नवरात्र-पारण इस पर्व के महान कर्म हैं। इस दिन संध्या के समय नीलकंठ पक्षी का दर्शन शुभ माना जाता है। क्षत्रिय/राजपूतों इस दिन प्रातः स्नानादि नित्य कर्म से निवृत्त होकर संकल्प मंत्र लेते हैं। इसके पश्चात देवताओं, गुरुजन, अस्त्र-शस्त्र, अश्व आदि के यथाविधि पूजन की परंपरा है।

कैसे करें घट स्थापना

आश्विन शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा से शारदीय नवरात्रि की धूम नौ दिनों तक रहेगी। इन दिनों मां भगवती के नौ रूपों का पूजन-अर्चन होगा। आइए जानते हैं घटस्थापना कैसे करें -

- घटस्थापना हमेशा शुभ मुहूर्त में करनी चाहिए।
- नित्य कर्म और स्नान के बाद ध्यान करें।
- इसके बाद पूजन स्थल से अलग एक पाटे पर लाल व सफेद कपड़ा बिछाएं।
- इस पर अक्षत से अष्टदल बनाकर इस पर जल से भरा कलश स्थापित करें।
- इस कलश में शतावरी जड़ी, हलकुंड, कमल गट्टे व रजत का सिक्का डालें।
- दीप प्रज्ज्वलित कर इष्ट देव का ध्यान करें।
- तत्पश्चात देवी मंत्र का जाप करें।
- अब कलश के सामने गेहूं व जौ को मिट्टी के पात्र में रोंपें।
- इस ज्वारे को माताजी का स्वरूप मानकर पूजन करें।
- अंतिम दिन ज्वारे का विसर्जन करें।

नौ दिन कैसे करें कन्या-पूजन

नवरात्रि यानी सौन्दर्य के मुखरित होने का पर्व। नवरात्रि यानी उमंग से खिल-खिल जाने का पर्व। कहते हैं, नौ दिनों तक दैवीय शक्ति मनुष्य लोक के भ्रमण के लिए आती है। इन दिनों की गई उपासना-आराधना से देवी भक्तों पर प्रसन्न होती है। लेकिन पुराणों में वर्णित है कि मात्र श्लोक-मंत्र-उपवास और हवन से देवी को प्रसन्न नहीं किया जा सकता। इन दिनों 2 से लेकर 5 वर्ष तक की नन्ही कन्याओं के पूजन का विशेष महत्व है। नौ दिनों तक इन नन्ही कन्याओं को सुंदर गिफ्ट्स देकर इनका दिल जीता जा सकता है। इनके माध्यम से नवदुर्गा को भी प्रसन्न किया जा सकता है। पुराणों की दृष्टि से नौ दिनों तक कन्याओं को एक विशेष प्रकार की भेंट देना शुभ होता है।

- प्रथम दिन इन्हें फूल की भेंट देना शुभ होता है। साथ में कोई एक श्रृंगार सामग्री अवश्य दें। अगर आप मां सरस्वती को प्रसन्न करना चाहते है तो श्वेत फूल अर्पित करें। अगर आपके दिल में कोई भौतिक कामना है तो लाल पुष्प देकर इन्हें खुश करें। (उदाहरण के लिए ः गुलाब, चंपा, मोगरा, गेंदा, गुड़हल)
- दूसरे दिन फल देकर इनका पूजन करें। यह फल भी सांसारिक कामना के लिए लाल अथवा पीला और वैराग्य की प्राप्ति के लिए केला या श्रीफल हो सकता है। याद रखें कि फल खट्टे ना हो।
- तीसरे दिन मिठाई का महत्व होता है। इस दिन अगर हाथ की बनी खीर, हलवा या केशरिया चावल बना कर खिलाए जाएं तो देवी प्रसन्न होती है।
- चौथे दिन इन्हें वस्त्र देने का महत्व है लेकिन सामर्थ्य अनुसार रूमाल या रंगबिरंगे रीबन दिए जा सकते हैं।
- पांचवे दिन देवी से सौभाग्य और संतान प्राप्ति की मनोकामना की जाती है। अतः कन्याओं को पांच प्रकार की श्रृंगार सामग्री देना अत्यंत शुभ होता है। इनमें बिंदिया, चूड़ी, मेहंदी, बालों के लिए क्लिप्स, सुगंधित साबुन, काजल, नेलपॉलिश, टैल्कम पावडर इत्यादि हो सकते हैं।
- छठे दिन बच्चियों को खेल-सामग्री देना चाहिए। आजकल बाजार में खेल सामग्री की अनेक वैरायटी उपलब्ध है। पहले यह रिवाज पांचे, रस्सी और छोटे-मोटे खिलौनों तक सीमित था। अब तो ढेर सारे विकल्प मौजूद है।
- सातवां दिन मां सरस्वती के आह्वान का होता है। अतः इस दिन कन्याओं को शिक्षण सामग्री दी जानी चाहिए। आजकल स्टेशनरी बाजार में विभिन्न प्रकार के पेन, स्केच पेन, पेंसिल, कॉपी, ड्रॉईंग बुक्स, कंपास, वाटर बॉटल, कलर बॉक्स, लंच बॉक्स उपलब्ध है।
- आठवां दिन नवरात्रि का सबसे पवित्र दिन माना जाता है। इस दिन अगर कन्या का अपने हाथों से श्रृंगार किया जाए तो देवी विशेष आशीर्वाद देती है। इस दिन कन्या के दूध से पैर पूजने चाहिए। पैरों पर अक्षत, फूल और कुंकुम लगाना चाहिए। इस दिन कन्या को भोजन कराना चाहिए और यथासामर्थ्य कोई भी भेंट देनी चाहिए। हर दिन कन्या-पूजन में दक्षिणा अवश्य दें।
- नौवें दिन खीर, ग्वारफली और दूध में गूंथी पूरियां कन्या को खिलानी चाहिए। उसके पैरों में महावर और हाथों में मेहंदी लगाने से देवी पूजा संपूर्ण होती है। अगर आपने घर पर हवन का अयोजन किया है तो उसके नन्हे हाथों से उसमें समिधा अवश्य डलवाएं। उसे इलायची और पान का सेवन कराएं।

नवरात्रि के चमत्कारिक दिव्य मंत्र

वर्तमान में मनुष्य ने अपने जीवन को इतनी आवश्यकताओं से घेर लिया है कि वह उनमें ही उलझा रहता है। ऐसे मनुष्यों के लिए समस्याओं को हल करने के लिए सरलतम मंत्र दे रहे हैं। जो नवरात्रि में करने से सफलता मिलती है एवं समस्या से छुटकारा मिलता है। ऐसे पावन नौ दिनों के लिए दिव्य मंत्र दिए जा रहे हैं, जिनके विधिवत परायण करने से स्वयं के नाना प्रकार के कार्य व सामूहिक रूप से दूसरों के कार्य पूर्ण होते हैं। इन मंत्रों को नौ दिनों में अवश्य जाप करें। इनसे यश, सुख, समृद्धि, पराक्रम, वैभव, बुद्धि, ज्ञान, सेहत, आयु, विद्या, धन, संपत्ति, ऐश्वर्य सभी की प्राप्ति होती है। विपत्तियों का नाश होगा।

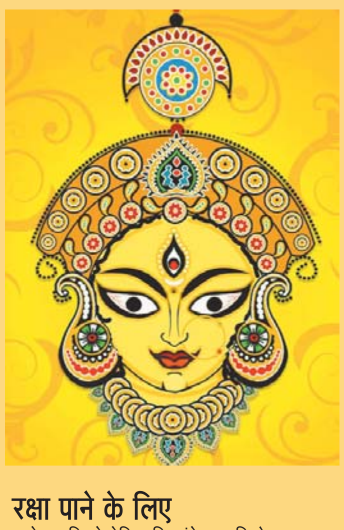

विपत्ति-नाश के लिए

शरणागतदीनार्तपरित्राणपरायणे।
सर्वस्पापहरे देवि नारायणि नमोस्तुते।।

भय नाश के लिए

सर्वस्वरूपे सर्वेश सर्वशक्तिसमन्विते।
भयेभ्यस्त्राहि नो देवि, दुर्गे देवि नमोस्तुते।।

पाप नाश तथा भक्ति की प्राप्ति के लिए

नमेभ्य सर्वदा भक्त्या चण्डिके दुरितापहे।
रूपं देहि जयं देहि यशो देहि द्विषो जहि।।

हर प्रकार के कल्याण के लिए

सर्वमंगल्यमांगल्ये शिवे सर्वार्थसाधिके।
शरण्ये र्त्यंबके गौरी नारायणि नमोस्तुते।।

धन, पुत्रादि प्राप्ति के लिए

सर्वबाधाविनिर्मुक्तो-धनधान्यसुतान्वित
मनुष्यों मत्प्रसादेन भविष्यति न संशय।।

रक्षा पाने के लिए

शूलेन पाहि नो देवि पाहि खंडे न चाम्बिके।
घण्टास्वनेन न पाहि चापज्यानि स्वनेन च।।

मोक्ष की प्राप्ति के लिए

त्वं वैष्णवी शक्तिरन्तवीर्या।
विश्वस्य बीजं परमासि माया।
सम्मोहितं देवि समस्तमेत
त्वं वै प्रसन्ना भूवि मुक्ति हेतु।।

बाधा व शांति के लिए

सर्वबाधाप्रमशन त्रैलोक्याखिलेश्वरि।
एवमेव त्वया कार्यमस्यद्वैरिविनाशन्नम।।

सुलक्षणा पत्नी की प्राप्ति के लिए

पत्नी मनोरमां देहि मनोवृत्तानुसारिणीम
तारिणी दुर्गसंसारसागरस्य कुलोद्भवाम।।

केंद्र ने पंजाब, हरियाणा में तीन अक्टूबर से धान खरीद के आदेश जारी किए

नई दिल्ली। केंद्र ने किसानों के हित में पंजाब और हरियाणा में तीन अक्टूबर से धान खरीद शुरू करने का आदेश जारी किया। हाल ही में हुई भारी बारिश के कारण 11 अक्टूबर तक खरीद स्थगित करने के केंद्र के पहले के फैसले का दोनों राज्यों में किसानों ने विरोध किया था।

केंद्रीय खाद्य मंत्रालय के एक अधिकारी द्वारा पंजाब और हरियाणा की सरकारों को भेजे गये पत्र में लिखा गया है, ''मुझे यह सूचित करने का निर्देश दिया गया है कि किसानों के हित में हरियाणा और पंजाब राज्यों में 2021-22 खरीफ विपणन सत्र के लिए तीन अक्टूबर, 2021 से धान की खरीद शुरू करने का निर्णय लिया गया है।'' पत्र में कहा गया है कि धान की खरीद, 2021-22 खरीफ विपणन सत्र के लिए निर्धारित एफएक्यू (उपयुक्त और औसत गुणवत्ता) मानदंडों के अनुसार की जानी चाहिए।

एक अलग बयान में केंद्रीय खाद्य मंत्रालय ने कहा कि ''उसका मानना ??है कि पंजाब और हरियाणा में तीन अक्टूबर से एमएसपी (न्यूनतम समर्थन मूल्य) पर धान की खरीद शुरू करने का फैसला किसानों और उपभोक्ताओं के समग्र हित में है। राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा कार्यक्रम के पीडीएस के तहत लाखों उपभोक्ताओं के लिए गुणवत्तापूर्ण खरीद सुनिश्चित करने के लिए एफएक्यू विनिर्देशों के अनुसार धान स्टॉक स्वीकार करें।''

खरीफ फसलों, धान और बाजरा की खरीद पहले एक अक्टूबर से शुरू होनी थी, लेकिन भारी बारिश के कारण केंद्र सरकार ने 11 अक्टूबर तक खरीद स्थगित कर दी थी क्योंकि ताजा आवक में नमी की मात्रा अनुमतियोग्य सीमा से अधिक थी। इस फैसले ने किसानों को नाराज कर दिया और उनमें से कई ने दोनों राज्यों के कई हिस्सों में विरोध किया, कई मंत्रियों, सांसदों और विधायकों के घरों का घेराव किया।

करनाल में मुख्यमंत्री खट्टर के घर के पास किसानों ने पुलिस बैरिकेड तोड़ दिए और उन्हें पानी की बौछारों का सामना करना पड़ा। पंजाब में, किसानों ने रूपनगर में राज्य विधानसभा अध्यक्ष राणा के पी सिंह और मोगा में विधायक हरजोत कमल सहित कई कांग्रेस विधायकों के आवासों के बाहर विरोध प्रदर्शन किया।

एफएसएसएआई का सूक्ष्म उद्यमों को मदद के लिए खाद्य प्रसंस्करण मंत्रालय से करार

नई दिल्ली। भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं नियामक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) ने सूक्ष्म स्तर के खाद्य उद्यमियों और किसान उत्पादक संगठनों (एफपीओ) को समर्थन देने के लिए खाद्य प्रसंस्करण मंत्रालय के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं। एमओयू पर हस्ताक्षर किए। इसका उद्देश्य स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी) और उत्पादक सहकारी समितियों को उनके खाद्य व्यवसायों के मानक में सुधार को भी समर्थन देना है।

एफएसएसएआई ने एक बयान में कहा, ''आत्मनिर्भर भारत अभियान के हिस्से के रूप में, यह कदम सूक्ष्म उद्यमों को अपने खाद्य उत्पादों की गुणवत्ता में सुधार करने और प्रतिस्पर्धी बनने में मदद करेगा।'' एफएसएसएआई और खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय के बीच सहयोग के दो क्षेत्र होंगे - खाद्य सुरक्षा प्रशिक्षण और सूक्ष्म उद्यमों का पंजीकरण। सूक्ष्म-स्तरीय खाद्य प्रसंस्करण इकाइयों के खाद्य संचालकों को अच्छी स्वच्छता, खाद्य परीक्षण प्रक्रिया और अन्य नियामकीय आवश्यकताओं की समझ पर प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा। प्रशिक्षण के सफल समापन पर खाद्य संचालकों को एफएसएसएआई द्वारा 'खाद्य सुरक्षा पर्यवेक्षक' प्रमाण पत्र प्रदान किया जाएगा।एफएसएसएआई और मंत्रालय, एफएसएसएआई लाइसेंस और पंजीकरण प्राप्त करने के लिए सूक्ष्म उद्यमों को सहायता प्रदान करेंगे।

एमडी का वेतन बढ़ाने का प्रस्ताव तकनीकी गड़बड़ी से खारिज हुआ: काइनेटिक इंजीनियरिंग

नई दिल्ली। काइनेटिक इंजीनियरिंग पुणे स्थित काइनेटिक इंजीनियरिंग लि. ने बताया कि प्रबंध निदेशक अजिंक्य ए फिरोदिया के वेतन बढ़ाने का प्रस्ताव ई-वोटिंग के दौरान हुई तकनीकी गड़बड़ी के कारण शेयरधारकों द्वारा खारिज हो गया था।

कंपनी ने शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि प्रमुख शेयरधारकों में से एक जिनेंद्र मुनोट के वोट ऑनलाइन मतदान के दौरान एक तकनीकी गड़बड़ी के कारण गलत तरीके से दर्ज किए गए थे। वह वोटिंग में सकारात्मक मत देना चाहते थे लेकिन तकनीकी गड़बड़ी के कारण उनका मत नकारात्मक रूप में लिया गया। इससे पहले बुधवार को कंपनी ने बीएसई को बताया था कि उसके शेयरधारकों ने फिरोदिया का वेतन बढ़ाने के प्रस्ताव को खारिज कर दिया है। कंपनी द्वारा उस समय दी गई जानकारी के अनुसार शेयरधारकों ने इस प्रस्ताव के खिलाफ 62.04 प्रतिशत और पक्ष में 37.95 प्रतिशत दिए।कंपनी ने हालांकि शेयर बाजार को बताया कि 5,870:3,591 शेयरों के अनुपात में आये नकारात्मक परिणाम से उसे हैरानी हुई थी। बाद में विश्लेषण से पता चला कि बोर्ड के सदस्य तथा प्रमुख शेयरधारक जिनेन्द्र मुनोट के 5,136/5,870 वोट नकारात्मक मत थे।

नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाओं के विकास में नीपको का सहयोग करेगी इरेडा

नई दिल्ली। भारतीय नवीकरणीय ऊर्जा विकास एजेंसी (इरेडा) ने नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाओं को विकसित करने और धन जुटाने में मदद के लिए शनिवार को नॉर्थ ईस्टर्न इलेक्ट्रिक पावर कॉरपोरेशन के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए।इरेडा ने एक बयान में कहा कि समझौता ज्ञापन (एमओयू) के तहत एजेंसी नीपको के लिए नवीकरणीय ऊर्जा, ऊर्जा दक्षता और संरक्षण परियोजनाओं के लिए प्रौद्योगिकी-वित्तीय कार्यक्रम चलाएगी। इरेडा अगले पांच वर्ष के दौरान नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाओं के सृजन और और अधिग्रहण के लिए कार्रवाई योजना बनाने में सहयोग करेगी। इरेडा के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक प्रदीप कुमार दास ने कहा कि समझौता ज्ञापन 2030 तक कार्बन उत्सर्जन को 33 प्रतिशत तक कम करने के सरकार के लक्ष्य को प्राप्त करने में योगदान देगा।

दुबई एक्सपो 2020 में जा सकते सकते हैं प्रधानमंत्री मोदी : गोयल

दुबई। वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने शनिवार को कहा कि उन्हें उम्मीद है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी दुबई एक्सपो 2020 में आने का निमंत्रण स्वीकार करेंगे। यह एक्सपो एक अक्टूबर से शुरू हुआ है और छह महीने तक चलेगा। उन्होंने यहां मीडिया से कहा, 'मुझे उम्मीद है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस छह महीने की अवधि के दौरान दुबई की यात्रा के निमंत्रण को स्वीकार करेंगे, जो दोनों देशों के बीच संबंधों को आगे बढ़ाएगा।'

एक्सपो 2020 दुबई में भारत का ''इंडियन पवेलियन' कोविड के बाद की दुनिया में पांच खरब डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने के लिए भारत के पुनरुत्थान का प्रदर्शन कर रहा है। प्रदर्शनी के इस मंडप में न केवल जीवंत भारतीय संस्कृति और इसके विगत की झलक होगी बल्कि इसमें देश के वर्तमान में इसकी क्षमताओं और अवसरों का इस तरह प्रदर्शन किया जाएगा जिससे पता चल सके कि देश घरेलू एवं विदेशी निवेशक का वैश्विक केंद्र है।

होंडा मोटरसाइकल की बिक्री सितंबर में आठ प्रतिशत घटकर 4,82,756 इकाई पर

नई दिल्ली। दो अक्टूबर (भाषा) वाहन कंपनी होंडा मोटरसाइकल एंड स्कूटर इंडिया प्राइवेट लि. ने बताया कि सितंबर, 2021 में उसकी कुल बिक्री आठ प्रतिशत घटकर 4,82,756 इकाई रही।

कंपनी ने एक बयान में बताया कि इससे पिछले वर्ष के इसी महीने में उसकी कुल बिक्री 5,26,866 इकाई रही थी।

वही सितंबर, 2021 में कंपनी की घरेलू बिक्री 4,63,679 इकाई रही, जो सितंबर, 2020 में 5,00,888 इकाई की थी। कंपनी ने पिछले साल सितंबर में 25,978 इकाइयों का निर्यात किया था। इस साल सितंबर में यह संख्या 19,077 इकाई की रही।

कंपनी के इस प्रदर्शन पर होंडा मोटरसाइकल के खरीद एवं विपणन निदेशक यादविंदर सिंह गुलेरिया ने कहा, ''हम हर गुजरते महीने के साथ ग्राहकों की संख्या में वृद्धि देख रहे हैं।''

उन्होंने कहा कि त्योहारी सीजन की वजह से आगामी महीने कंपनी के वृद्धि अनुमान की दृष्टि से महत्वपूर्ण रहेंगे।

जी एंटरटेनमेंट की अल्पांश शेयरधारकों की एजीएम बुलाने की मांग के खिलाफ उच्च न्यायालय में अपील

नई दिल्ली। जी एंटरटेनमेंट एंटरप्राइजेज लिमिटेड ने अल्पांश शेयरधारकों इनवेस्को और ओएफआई ग्लोबल चाइना फंड द्वारा कंपनी के प्रबंध निदेशक पुनीत गोयनका को हटाने सहित विभिन्न मुद्दों पर चर्चा के लिए असाधारण आम बैठक (ईजीएम) बुलाने की मांग के खिलाफ बंबई उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया है। कंपनी ने यह जानकारी दी।

कंपनी ने उच्च न्यायालय के समक्ष एक दीवानी मुकदमा दायर कर अनुरोध किया है कि उसे भेजे गए नोटिस को अवैध और अमान्य घोषित किया जाए।

जी एंटरटेनमेंट एंटरप्राइजेज लिमिटेड के बोर्ड द्वारा शेयरधारकों के अनुरोध को खारिज करने के एक दिन बाद यह कदम उठाया गया। जी एंटरटेनमेंट ने एक नियामकीय सूचना में कहा, ''कंपनी ने सामान्य मूल नागरिक अधिकार क्षेत्र (दीवानी मुकदमा) के तहत बंबई उच्च न्यायालय के समक्ष एक मुकदमा दायर किया है। अन्य बातों के साथ-साथ बंबई उच्च न्यायालय से इनवेस्को डेवलपिंग मार्केट्स फंड और ओएफआई ग्लोबल चाइना फंड एलएलसी (कंपनी के शेयरधारक) द्वारा कंपनी को भेजे गए मांग नोटिस को अवैध और अमान्य घोषित करने का अनुरोध किया है।''

इनवेस्को डेवलपिंग मार्केट्स फंड के साथ ओएफआई ग्लोबल चाइना फंड एलएलसी की जी एंटरटेनमेंट में 17.88 प्रतिशत हिस्सेदारी है।

गौरतलब है कि शुक्रवार को कंपनी के बोर्ड ने अल्पांश शेयरधारकों की मांग को खारिज कर दिया था और मांग को अमान्य और अवैध करार दिया था।

केंद्र ने कच्चे जूट की जमाखोरी को रोकने के लिए मूल्य सीमा तय की

नई दिल्ली। केंद्र ने कच्चे जूट की जमाखोरी को रोकने के लिए पश्चिम बंगाल में इसकी दो किस्मों की अधिकतम कीमत 6,500 रुपये प्रति क्विंटल तय की है, क्योंकि इस जिंस को बाजार में 7,200 रुपये या उससे अधिक कीमत में बेचा जा रहा है। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि यह मूल्य सीमा जून, 2022 तक प्रभावी रहेगी। एक अधिकारी ने कहा, ''कच्चे जूट की कीमत 7,200 रुपये प्रति क्विंटल तक पहुंचने के बाद इस क्षेत्र के नियामक जूट आयुक्त ने जमाखोरी को हतोत्साहित करने के लिए कच्चे जूट (टीडीएन3 और डब्ल्यूएन3 किस्मों) की अधिकतम कीमत 6,500 रुपये प्रति क्विंटल तय कर दी है।'' अन्य राज्यों में कच्चे जूट की अधिकतम कीमत 6,800 रुपये प्रति क्विंटल तय की गई है। उन्होंने कहा कि मौजूदा जूट सत्र (जुलाई-जून) के लिए मूल्य नियंत्रण उपाय लागू होंगे।उद्योग के एक सूत्र ने कहा, ''इसका मतलब है कि सरकार जूट के बोरे की कीमत की गणना करते समय कच्चे जूट की कीमत 6,500 रुपये प्रति क्विंटल को ध्यान में रखेगी। उन्होंने कहा कि यदि कच्चे माल का बाजार मूल्य, इसकी तय की गई उच्चतम सीमा से अधिक है, तो जूट मिलों को नुकसान होगा। सूत्र ने कहा, ''चालू वर्ष में उत्पादन बहुत अधिक हुआ है और कई किसानों और व्यापारियों ने अबतक फसल को रोका हुआ है। इस आदेश से जिंस जमा करने की उनकी योजना प्रभावित हो सकती है।

व्यापार, पूंजीवाद के खिलाफ नहीं थे महात्मा गांधी:पुस्तक

नई दिल्ली। महात्मा गांधी व्यापार और पूंजीपतियों के खिलाफ नहीं थे, बल्कि व्यापार के प्रति उनका दृष्टिकोण सकारात्मक था। एक नयी पुस्तक में उन्हें एक अप्रत्याशित प्रबंधन गुरु और एक मूल विचारक के रूप में दिखाने का प्रयास किया गया है, जिन्होंने बाजार पूंजीवाद की अवधारणा को समृद्ध किया।सेवानिवृत्त उद्यमी जेरी राव द्वारा लिखित पुस्तक ''अर्थशास्त्री गांधी: महात्मा की राजनीतिक अर्थव्यवस्था की जड़ें और प्रासंगिकता'' गांधी के व्यक्तित्व के एक छिपे हुए पहलू पर प्रकाश डालती है। इस पुस्तक में अर्थशास्त्र और पूंजीवाद पर उनके विचारों को प्रस्तुत किया गया है। इसमें धर्म, नैतिकता, मानव स्वभाव, शिक्षा और समाज पर उनके कुछ विचारों पर भी प्रकाश डाला गया है।इस किताब में व्यवसाय के प्रति गांधी के सकारात्मक दृष्टिकोण की व्याख्या की गई है। भले ही उन्होंने अपनी व्यक्तिगत जरूरतों को बहुत कम कर दिया था, बल्कि वे गरीबी के खिलाफ थे और चाहते थे कि प्रत्येक भारतीय भौतिक रूप से आरामदायक जीवन का आनंद उठाए। लेखक लिखते हैं, ''व्यवसाय, व्यापार और धन के प्रति गांधी का सकारात्मक दृष्टिकोण उनकी जातिगत पृष्ठभूमि का एक हिस्सा हो सकता है।

नयी फसल की आवक बढ़ने से घरेलू बाजार में तेल-तिलहन कीमतों में गिरावट

नई दिल्ली। मंडियों में नयी तिलहन फसलों की आवक बढ़ने के बीच दिल्ली तेल-तिलहन बाजार में बिनौला, मूंगफली, सीपीओ और पामोलीन तेल कीमतों में गिरावट दर्ज हुई। मंडियों में आवक काफी कमजोर होने से सरसों तथा सोयाबीन की नयी फसल आने के बावजूद सोयाबीन तेल-तिलहन सहित बाकी तेल-तिलहनों के भाव पूर्वस्तर पर बने रहे।

बाजार सूत्रों ने कहा कि देश में पामोलीन, सीपीओ और सोयाबीन डीगम का आयात निरंतर बढ़ रहा है और आयातकों को 100 - 150 रुपये प्रति क्विंटल नीचे भाव पर इनकी बिक्री करनी पड़ रही है। इन तेलों की व्यावसायिक मांग तो है, पर आयात अधिक मात्रा में होने से इनके स्थानीय भाव कमजोर हैं।

उन्होंने कहा कि सोयाबीन तेल-तिलहन के भाव का रुख स्पष्ट नहीं है और भाव में स्थिरता नहीं है। नयी फसल की आवक होने से अलग-अलग स्थानों पर इनके भाव भिन्न हैं। सोयाबीन के तेल रहित खल (डीओसी) का आयात शुरू होने से स्थानीय डीओसी को खपाने को लेकर चिंता बढ़ी है और इसी वजह से सोयाबीन तेल-तिलहन कीमतों पर दबाव है। इस दबाव के बावजूद त्योहारी मांग होने से सोयाबीन तेल-तिलहनों के भाव पूर्वस्तर पर बने रहे।

सूत्रों ने कहा कि लगभग दो महीने पहले जिस डीओसी का भाव 9,700-9,800 रुपये क्विंटल के स्तर पर था, नयी फसल आने के बाद वह कीमत अब घटकर 4,700-4,800 रुपये क्विंटल रह गयी है।

उन्होंने कहा कि मूंगफली की नयी फसल आने की संभावना से पहले हाजिर बाजार में इसके भाव टूट गये हैं और किसानों को मजबूरन कम कीमत पर अपना माल बेचना पड़ रहा है। इसी प्रकार बिनौला की भी नये फसल की आवक शुरू होने के बीच इसके तेल के भाव कमजोर हो गये हैं।

सरसों के बारे में सूत्रों ने कहा कि शुक्रवार को मंडियों में सरसों की आवक लगभग 1.75 लाख बोरी की थी जो घटकर एक लाख बोरी रह गई है। हालांकि, सरसों की दैनिक औसत मांग लगभग 3.5-4 लाख बोरी की है। आने वाले दिनों में सरसों की मांग और बढ़ेगी इसके अलावा नेपाल, जम्मू-कश्मीर, उत्तराखंड सहित सरसों की चौतरफा मांग है। नेपाल में तो सरसों बीज की भी मांग है।

सरसों विशेषज्ञों का कहना है कि सरसों का स्टॉक मुश्किल से 18-20 लाख टन बचा होने का अनुमान है। इसका कोई विकल्प भी नहीं है। इन तथ्यों के मद्देनजर ही सरकार को इसके बारे में कोई फैसला लेना चाहिये।

सूत्रों ने कहा कि सरसों की अगली पैदावार आने में अभी लगभग पांच महीने का समय है तथा सरसों की पैदावार इस बार दोगुना से भी अधिक बढ़ सकती है। लेकिन सरसों की आरंभिक फसल के तेल का रंग हरा होता है। ठीक तरह से परिपक्व सरसों के मंडियों में मार्च के पहले सप्ताह में ही मिलने की उम्मीद की जा रही है तभी इसके तेल का हरापन भी खत्म होने की उम्मीद की जा सकती है।

उन्होंने कहा कि इस बार सरकार को अधिक से अधिक मात्रा में सहकारी संस्थाओं के माध्यम से सरसों की खरीद करने का इंतजाम कर लेना चाहिये। उन्होंने कहा कि गेहूं की तरह सरसों दाने का लगभग 10 लाख टन का स्थायी स्टॉक बनाकर रखना चाहिये क्योंकि सरसों दाना लगभग 10-12 साल खराब भी नहीं होता।

बाजार में थोक भाव इस प्रकार रहे- (भाव- रुपये प्रति क्विंटल)

सरसों तिलहन - 8,750 - 8,775 (42 प्रतिशत कंडीशन का भाव) रुपये।

मूंगफली - 6,250 - 6,395 रुपये।

मूंगफली तेल मिल डिलिवरी (गुजरात)- 14,280 रुपये।

मूंगफली साल्वेंट रिफाइंड तेल 2,140 - 2,270 रुपये प्रति टिन।

सरसों तेल दादरी- 17,720 रुपये प्रति क्विंटल।

सरसों पक्की घानी- 2,685 -2,735 रुपये प्रति टिन।

सरसों कच्ची घानी- 2,770 - 2,880 रुपये प्रति टिन।

तिल तेल मिल डिलिवरी - 15,500 - 18,000 रुपये।

सोयाबीन तेल मिल डिलिवरी दिल्ली- 14,340 रुपये।

सोयाबीन मिल डिलिवरी इंदौर- 13,950 रुपये।

सोयाबीन तेल डीगम, कांडला- 12,850

सीपीओ एक्स-कांडला- 11,430 रुपये।

बिनौला मिल डिलिवरी (हरियाणा)- 13,600 रुपये।

पामोलिन आरबीडी, दिल्ली- 13,100 रुपये।

पामोलिन एक्स- कांडला- 12,020 (बिना जीएसटी के)।

सोयाबीन दाना 5,400 - 5,600, सोयाबीन लूज 5,200 - 5,400 रुपये।

मक्का खल (सरिस्का) 3,800 रुपये।

रेट्रो टैक्स: सरकार ने नियमों को किया अधिसूचित, भविष्य में दावा न करने की गारंटी पर ही मिलेगा रिफंड

नई दिल्ली। ब्रिटेन की केयर्न एनर्जी और वोडाफोन समूह जैसी कंपनियों को पिछली तिथि से भरे गए टैक्स की रकम को वापस पाने के लिए सरकार को भविष्य में किसी भी तरह के दावे में न घसीटने की गारंटी देनी होगी और सभी लंबित मामले वापस लेने होंगे। केंद्रीय वित्त मंत्रालय ने रेट्रोस्पेक्टिव टैक्स कानून का प्रावधान खत्म करने के बाद इससे संबंधित नियमों को पहली अक्तूबर से अधिसूचित कर दिया है और इन नियमों में कंपनियों के लिए अपना टैक्स रिफंड पाने के लिए कुछ सख्त प्रावधान किए गए हैं।

नियमों में कहा गया है कि वर्ष 2012 के रेट्रोस्पेक्टिव टैक्स कानून के तहत सरकार ने जो भी टैक्स दावे किए हैं, वे वापस लिए जाएंगे और इस कानून के तहत जो भी टैक्स वसूल किया गया है उसे वापस कर दिया जाएगा। इस कानून के तहत सरकार के पास कानून लागू होने से भी पहले की तिथि से कंपनियों से इनकम टैक्स वसूलने का अधिकार था और कई बड़ी कंपनियों को इसके कारण भारी-भरकम राशि टैक्स के रूप में चुकानी पड़ी थी।

केयर्न एनर्जी ने इसके खिलाफ विदेशों में मामला दर्ज करके भारत सरकार से 1.2 अरब डॉलर की राशि वापस पाने का मुकदमा जीत रखा है और इस राशि की वसूली के लिए विदेशों में सरकार की कई संपत्तियां जब्त करा रखी हैं। पेरिस और अमेरिका में ऐसी संपत्तियां जब्त होने से सरकार को शर्मिंदगी उठानी पड़ी और तब इस कानून को वापस ले लिया गया और इसके तहत वसूली गई राशि को बिना किसी ब्याज या जुर्माने के वापस करने के लिए सरकार तैयार हो गई है।

आसानी से नहीं मिलेगा पैसा

हालांकि कंपनियों को यह पैसा आसानी से नहीं मिलेगा। नए नियमों के तहत जो भी कंपनी रिफंड का दावा करेगी, उसे सबसे पहले तो सरकार के खिलाफ किसी भी मंच पर दायर किसी भी तरह का मुकदमा वापस लेना होगा। साथ ही उसे ये गारंटी देनी होगी कि भविष्य में वह किसी तरह का दावा भारत या दुनिया के किसी भी हिस्से में नहीं करेगा। कंपनियों को एक क्षतिपूर्ति बॉन्ड भरना होगा कि भविष्य में वे सरकार के खिलाफ किसी तरह की क्षतिपूर्ति का दावा भी नहीं करेंगी। क्षतिपूर्ति बॉन्ड के साथ-साथ कंपनियों को आयकर अधिकारियों के सामने घोषणापत्र और बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स से पारित प्रस्ताव या कानूनी अधिकार भी देना होगा।

ये रहेगी समय-सीमा

नए नियमों में दी गई समय सीमा के अनुसार, पहले 45 दिनों में कंपनियों को सभी लंबित मामले वापस लेने का हलफनामा देना होगा। इसके बाद संबंधित आयकर प्राधिकारी अगले रिफंड आवेदन प्राप्त होने के 15 दिन के अंदर दावे को मंजूर या खारिज करने का सर्टिफिकेट जारी करेंगे। ये सर्टिफिकेट हासिल करने के 60 दिन के अंदर कंपनियों को क्षतिपूर्ति से संबंधित वादा पूरा करना होगा। इसके बाद कंपनियों को राहत देने का आदेश 30 दिनों के अंदर पारित किया जाएगा और इसके कम से कम 10 दिन के बाद रिफंड राशि दे दी जाएगी। इस सारी प्रक्रिया में कम से कम पांच महीने लगेंगे।

शेफाली वर्मा की शानदार फिफ्टी, भारतीय महिला क्रिकेट टीम और ऑस्ट्रेलिया के बीच डे-नाइट टेस्ट ड्रॉ पर खत्म

गोल्ड कोस्ट (एजेंसी)।

सलामी बल्लेबाज शेफाली वर्मा के शानदार फिफ्टी की बदौलत भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने ऑस्ट्रेलिया को 272 रन का लक्ष्य दिया. इसके जवाब में मेजबान टीम चौथे दिन का खेल खत्म होने तक 2 विकेट पर 36 रन ही बना पाई और क्वींसलैंड के करारा ओवल खेला जा रहा इकलौता डे-नाइट टेस्ट ड्रॉ पर खत्म हुआ.

शेफाली की तीसरी टेस्ट फिफ्टी

शेफाली वर्मा टीम इंडिया की दूसरी पारी में 91 गेंदों में शानदार 52 रन बनाए, इस दौरान उन्होंने 6 चौके जड़े. शेफाली को जॉर्जिया वेयरहैम 34वें ओवर में एलबीडब्ल्यू आउट करते हुए पवेलियन भेज दिया. ये शेफाली के टेस्ट करियर का तीसरा अर्धशतक है.

मंधाना को मिला शतक लगाने का इनाम

स्मृति मंधाना को उनकी शानदार शतकीय पारी की बदौलत 'प्लेयर ऑफ द मैच' अवॉर्ड से नवाजा गया. स्मृति ने 171 गेंदों पर अपनी सेंचुरी पूरी की. मंधाना ने 216 गेंदों में 127 रन बनाए. इस पारी के दौरान उन्होंने 22 चौके और 1 छक्का लगाया. ये उनके टेस्ट करियर की पहला सैंकड़ा था.

ड्रॉ पर खत्म हुआ पिंक बॉल टेस्ट

भारत ने अपनी पहली पारी 377/8 के स्कोर पर घोषित कर दी थी. इसके जवाब में ऑस्ट्रेलिया ने 241/9 के स्कोर पर पारी घोषित की. इस हिसाब से भारत को 136 रन की लीड मिली. भारत ने अपनी दूसरी पारी 135/3 पर घोषित की और मेजबान को 272 रन का टारगेट दिया. मैच की चौथी पारी में 15 ओवर ही फेंके जा सके और मुकाबला ड्रॉ पर खत्म हुआ.

भारतीय महिला क्रिकेट टीम की पहले डे-नाइट टेस्ट मैच में स्मृति मंधाना बनीं 'प्लेयर आफ द मैच', खेली थी दिलकश पारी

नई दिल्ली (एजेंसी)।

भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने आस्ट्रेलिया महिला क्रिकेट टीम के खिलाफ पहली बार डे-नाइट टेस्ट मैच क्वींसलैंड में खेला। इस मैच में किसी भी टीम को जीत नहीं मिली और मैच ड्रा के साथ खत्म हुआ। ऑस्ट्रेलिया की धरती पर भारतीय महिला टीम के इस प्रदर्शन की जितनी भी तारीफ की जाए वो कम ही है खास तौर पर इस मैच में टीम की ओपनर बल्लेबाज स्मृति मंधाना ने जिस तरह का जज्बा दिखाया और बल्लेबाजी की उसकी जितनी भी तारीफ की जाए वो कम है। स्मृति मंधाना को इस मैच के दौरान उनकी बेहतरीन बल्लेबाजी के लिए 'प्लेयर आफ द मैच' का खिताब दिया गया। इस तरह से वो भारत की तरफ से पहली महिला डे-नाइट टेस्ट मैच में ये खिताब जीतने वाली पहली महिला क्रिकेटर बनीं।

स्मृति मंधान ने रचा था इतिहास

भारतीय महिला क्रिकेट टीम की पहले डे-नाइट टेस्ट मैच की पहली पारी में आस्ट्रेलिया के खिलाफ स्मृति मंधाना ने 216 गेंदों का सामना करते हुए 22 चौके व एक छक्के की मदद से 127 रन की पारी खेली थी। इस तरह से वो भारतीय महिला टेस्ट टीम की तरफ से पहले डे-नाइट टेस्ट मैच में शतक लगाने वाली पहली खिलाड़ी बनीं थीं और इतिहास रचा था। उनकी इस पारी के दम पर भारत ने पहली पारी में 8 विकेट पर 377 रन बनाए थे और फिर पारी की घोषणा कर दी गई थी। इसके जवाब में कंगारू महिला टीम ने पहली पारी में 9 विकेट पर 241 रन बनाए और पारी की घोषणा कर दी।

इसके बाद भारतीय महिला टीम ने इस मैच की दूसरी पारी में 135 रन बनाकर पारी की घोषणा कर दी थी। इस पारी में स्मृति मंधाना ने 6 चौकों की मदद से 48 गेंदों पर 31 रन की पारी खेली थी। इस पारी में शेफाली वर्मा ने भी 52 रन बनाए थे जबकि पूनम राउत 41 रन बनाकर नाबाद रही थीं। इसके जवाब में आस्ट्रेलिया की टीम ने 2 विकेट खोकर 36 रन बनाए और फिर मैच ड्रा रहा। इस टेस्ट मैच में स्मृति मंधाना ने दोनों पारियों में मिलाकर सबसे ज्यादा रन बनाने का गौरव भी हासिल किया।

गंभीर ने फिर उगला जगह, धोनी को लेकर कह दी ये बात, फूटा फैंस का गुस्सा

नई दिल्ली। टीम इंडिया के पूर्व खिलाड़ी गौतम गंभीर और पूर्व कप्तान एमएस धोनी के बीच सब कुछ ठीक नहीं रहता, गंभीर वक्त वक्त पर उनके बारे में कुछ बयान देकर इन अफवाहों पर सच साबित करते रहते हैं. गंभीर अपनी बात साफ साफ कहते हैं और कई बार उन्होंने धोनी को लेकर ऐसे बयान दिए हैं, जो फैंस को बिल्कुल पसंद नहीं आते. इस बार कुछ ऐसा ही हुआ है.

धोनी के बारे में गंभीर का चौंकाने वाला बयान

आईपीएल 2021 में केकेआर और पंजाब के बीच हुए मुकाबले के दौरान गौतम गंभीर ने धोनी को लेकर बड़ा बयान दिया है, जिसके बाद माही के फैंस उनके पीछे पड़ गए हैं. कमेंट्री के दौरान ग्रीम स्वान से फिनिशर्स के रोल के बारे में बात करते हुए गौतम गंभीर ने कहा, 'आंद्रे रसल को एक फिनिशर बताया जाता है नहीं, मुझे लगता है पिछले कुछ सालों में विराट कोहली से बेहतरीन फिनिशर कोई नहीं है फर्क इतना है कि वो तीन नंबर पर बल्लेबाजी करते हैं. किसी भी खिलाड़ी को फिनिशर कह देने से वो खिलाड़ी फिनिशर नहीं बन जाता. तथाकथित फिनिशरों की तुलना में विराट कोहली के रन बनाने की तुलना कर लें'.

गंभीर पर भड़के फैंस

एमएस धोनी दुनिया के सबसे बड़े मैच विनर और मैच फिनिशर माने जाते हैं. उनके लिए गौतम गंभीर ने अपने इस बयान में तथाकथित फिनिशर शब्द का यूज किया, जिसके बाद फैंस उन पर भड़क गए हैं.

धोनी ने बतौर कप्तान पूरे किए 200 मैच

महेंद्र सिंह धोनी ने आईपीएल में चेन्नई सुपर किंग्स की तरफ से खेलते हुए 200 मुकाबलों में कप्तानी की है. ऐसा करने वाले धोनी पहले कप्तान बने हैं. धोनी की कप्तानी में चेन्नई ने 119 मुकाबलों में जीत दर्ज की है और 79 मुकाबलों में हार का सामना करना पड़ा है जबकि 1 मुकाबला बेनतीजा रहा है.

आईपीएल 2021 के प्लेआफ में पहुंची ये 3 टीमें, इन 2 टीमों का सफर हुआ समाप्त

नई दिल्ली (एजेंसी)।

इंडियन प्रीमियर लीग यानी आइपीएल के 14वें सीजन के प्लेआफ में पहुंचने वाली तीन टीमों की घोषणा हो चुकी है। रायल चैलेंजर्स बैंगलोर बनाम पंजाब किंग्स मैच के बाद आइपीएल 2021 को अपनी तीसरी प्लेआफ में पहुंचने वाली टीम मिल गई है। पंजाब को 6 रन से हराकर विराट कोहली की कप्तानी वाली आरसीबी ने आइपीएल 2021 के प्लेआफ में जगह बना ली है, जबकि पंजाब किंग्स का सफर लगभग समाप्त हो चुका है।

आपको बता दें, चेन्नई सुपर किंग्स ने सबसे पहले आइपीएल 2021 के प्लेआफ के लिए क्वालीफाइ किया था और फिर दिल्ली कैपिटल्स ने प्लेआफ में जगह बनाई थी और अब रायल चैलेंजर्स बैंगलोर प्लेआफ के क्लब में शामिल हो गई है। अब चौथे पायदान के लिए कोलकाता नाइट राइडर्स, राजस्थान रायल्स और मुंबई इंडियंस के बीच जंग है, क्योंकि पंजाब किंग्स सिर्फ 12 अंक तक पहुंच पाएगी, जो कि प्लेआफ में पहुंचने के लिए काफी नहीं होंगे। हालांकि, अभी इसका आधिकारिक एलान नहीं हुआ है।

क्या है प्लेआफ का सेनेरियो?

आईपीएल 2021 के सीजन के प्लेआफ के लिए अब एक स्थान बाकी है, जिसके लिए तीन टीमें लड़ाई लड़ रही हैं। सनराइजर्स हैदराबाद प्लेआफ की रेस से बाहर है, जबकि पंजाब किंग्स के भी नाममात्र चांस बाकी हैं। वहीं, राजस्थान रायल्स, कोलकाता नाइट राइडर्स और मुंबई इंडियंस के पास अभी भी प्लेआफ में पहुंचने का मौका है, लेकिन तीनों ही टीमों को अपने बाकी बचे दोनों-दोनों मैच जीतने होंगे और इसके बाद फैसला नेट रन रेट के आधार पर होगा। अगर टीमें एक-एक मैच भी जीतती है तो फिर पंजाब किंग्स भी रेस में बनी रहेगी, लेकिन यहां भी नेट रन रेट बेहतर होने वाली टीम बाजी मारेगी। हालांकि, पंजाब को अपना आखिरी मैच चेन्नई सुपर किंग्स खिलाफ जीतना होगा। माना जा रहा है कि आखिरी मैच तक प्लेआफ की चौथी टीम का फैसला होगा।

ग्लेन मैक्सवेल का मैदान पर दिखा तूफानी अंदाज, आईपीएल 2021 में आरसीबी के लिए ठोका लगातार तीसरा अर्धशतक

नई दिल्ली। आरसीबी के तूफानी आलराउंडर ग्लेन मैक्सवेल ने आइपीएल 2021 के 48वें लीग मैच में पंजाब किंग्स के खिलाफ अपनी टीम के लिए फिर से बेहतरीन पारी खेली। मैक्सवेल की इस पारी के दम पर पंजाब किंग्स के खिलाफ आरसीबी ने 20 ओवर में 7 विकेट पर 164 रन बनाए। मैक्सवेल की अर्धशतकीय पारी के अलावा इस मैच में कप्तान विराट कोहली ने 25 रन, देवदत्त पडिक्कल ने 40 रन और डिविलियर्स ने 40 रन का योगदान दिया।

मैक्सवेल का अर्धशतक, लगाए चार छक्के

ग्लेन मैक्सवेल अपनी टीम के लिए लगातार अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं खास तौर पर यूएई लेग में तो उनका बल्ला खूब चल रहा है। पंजाब किंग्स के खिलाफ उन्होंने इस मुकाबले में 33 गेंदों पर 4 छक्के व 3 चौकों की मदद से 57 रन की पारी खेली और उनका स्ट्राइक रेट इस पारी के दौरान 172.73 का रहा। उन्होंने इस मैच में चौथे विकेट के लिए डिविलियर्स के साथ मिलकर 73 रन की अच्छी साझेदारी की और टीम को मजबूत स्कोर की तरफ ले गए।

मैक्सवेल का इस सीजन में ये लगातार तीसरा शतक अपनी टीम के लिए था। इससे पहले के दो मैचों में भी उन्होंने अर्धशतकीय पारी खेली थी। मुंबई इंडियंस के खिलाफ मैक्सी ने 56 रन की पारी खेली थी और दो विकेट भी लिए थे तो वहीं राजस्थान रायल्स के खिलाफ उन्होंने नाबाद 50 रन की पारी खेली थी और अब एक बार फिर से उन्होंने पंजाब किंग्स के खिलाफ टीम के लिए 57 रन की अहम पारी खेली। मैक्सवेल के आइपीएल करियर की बात करें तो उन्होंने अब तक खेले 94 मैचों में 1912 रन बनाए हैं। उनके नाम पर अब तक एक भी शतक नहीं है जबकि इन मैचों में उन्होंने 11 अर्धशतक लगाए हैं और उन्होंने 22 विकेट भी लिए हैं। मैक्सी के नाम पर इस लीग में अब तक 154 चौके व 110 छक्के भी दर्ज हैं।

टीम इंडिया के बाद अब आईपीएल से भी खत्म होगा इस खिलाड़ी का करियर! नहीं मिलेगा मौका?

नई दिल्ली। आईपीएल 2021 का घमासान जारी है. इस टूर्नामेंट में कई ऐसे क्रिकेटर्स है जिन्होंने खुद को साबित कर टीम इंडिया में अपनी जगह पक्की है. हालांकि कुछ खिलाड़ी ऐसे भी हैं जिनका करियर खत्म होता हुआ दिखाई दे रहा हैं.

आईपीएल में लगातार फ्लॉप है ये खिलाड़ी

आईपीएल 2021 में केकेआर के खिलाफ मैच में एक बार फिर सीनियर विकेटकीपर ऋद्धिमान साहा का बल्ला शांत रहा. साहा बिना खाता खोले ही पवेलियन लौट गए. इतना ही नहीं इस पूरे सीजन में वो कुछ खास नहीं कर पाए हैं. उन्होंने अब तक 7 मैच खेले है जिसमें उन्होंने 119 रन बनाए हैं. उनका लगातार नाकाम होना, उसके करियर पर सवाल खड़ा कर रहा है. टीम इंडिया से तो उनका पत्ता पंत ने लगभग साफ कर दिया है और अब आईपीएल में उनका खराब प्रदर्शन उन्हें आईपीएल से भी बाहर कर सकता है.

अ20 वर्ल्ड कप में हार्दिक पांड्या के खेलने पर आया बड़ा अपडेट, खुद बताई सच्चाई

नई दिल्ली (एजेंसी)।

टीम इंडिया के ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या को लेकर बड़ा अपडेट सामने आया है. हार्दिक पांड्या इन दिनों यूएई में चल रहे आईपीएल 2021 के दूसरे फेज में मुंबई इंडियंस टीम का हिस्सा हैं. इस सीजन में हार्दिक का बल्ला शांत रहा है. अ20 वर्ल्ड कप में हार्दिक के खेलने को लेकर काफी खबरें आ रही हैं कि पांड्या को अ20 टीम से बाहर किया जा सकता है. खुलासा करते हुए हार्दिक ने यह बताया कि वह कब गेंदबाजी करेंगे.

पांड्या ने बताया कब करेंगे गेंदबाजी

आईपीएल में मुंबई इंडियंस और दिल्ली कैपिटल्स के बीच हुए मुकाबले में मुंबई इंडियंस को फिर हार का सामना करना पड़ा. हार्दिक पांड्या ने इस मुकाबले में भी गेंदबाजी नहीं की. पांड्या ने अपनी गेंदबाजी पर अपडेट देते हुए कहा है कि वह पूरी कोशिश कर रहे हैं और जल्द ही गेंदबाजी करते नजर आएंगे. आपको बता दें कि हार्दिक पांड्या ने इस पूरे आईपीएल सीजन में अभी तक एक भी मुकाबले में गेंदबाजी नहीं की है और बल्लेबाजी में भी कुछ खास नहीं किया है. ऐसे में यह कयास लगाए जा रहे थे कि अगर यही स्थिति रही तो हार्दिक को वर्ल्ड कप टीम से बाहर किया जा सकता है.

खुद का आत्मविश्वास बढ़ा है - हार्दिक पांड्या

पंजाब किंग्स के खिलाफ हुए मुकाबले में हार्दिक पांड्या ने 40 रनों की पारी खेली थी. हार्दिक ने कहा कि इस पारी से उनका आत्मविश्वास बढ़ा है, क्योंकि रन बनाने से ही आत्मविश्वास बढ़ता है. मुंबई इंडियंस ने पंजाब किंग्स के खिलाफ मुकाबला जीता था लेकिन दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ मुंबई 4 विकेट से हार गई थी. मुंबई अंकतालिका में सातवें पायदान पर है. अगर मुंबई को प्लेऑफ में जगह बनानी है तो आने वाले दोनों मुकाबले जीतने होंगे.

मुंबई के कोच दे चुके हैं हार्दिक को लेकर बयान

हार्दिक पांड्या की फिटनेस और गेंदबाजी को लेकर मुंबई इंडियंस के कोच महेला जयवर्धने ने बताया था कि हम उनको गेंदबाजी करने के लिए जबरदस्ती नहीं बोल सकते. कुछ दिनों बाद ही अ20 वर्ल्ड कप शुरू होने वाला है तो ऐसे में उन्हें परेशानी का सामना करना पड़ सकता है. इससे पहले अ20 वर्ल्ड कप के लिए टीम में हार्दिक पांड्या को जगह देने पर चयनकर्ता चेतन शर्मा ने कहा था कि हार्दिक पांड्या पूरी तरह से फिट हैं और गेंदबाजी के लिए भी तैयार हैं.

टी20 वर्ल्ड कप में भारत के खिलाफ पाकिस्तान का तगड़ा प्लान! इस दिग्गज का खुलासा

लाहौर (एजेंसी)।

पाकिस्तान 24 अक्टूबर को यूएई में होने वाले आईसीसी टी20 विश्व कप में चिर प्रतिद्वंद्वी भारत से भिड़ेगा. पाकिस्तान के पूर्व तेज गेंदबाज उमर गुल ने कहा है कि आईसीसी टी 20 विश्व कप के लिए चुनी गई टीम की आलोचना नहीं की जानी चाहिए. न्यूजीलैंड और इंग्लैंड के दौरे रद्द होने के बाद देश के क्रिकेट को लेकर नकारात्मकता के मद्देनजर को रखते हुए पाकिस्तान के क्रिकेटरों को प्रोत्साहित करने की आवश्यकता है.

पाक क्रिकेट पर बोले गुल

उमर गुल ने कहा, 'इसमें कोई शक नहीं कि (टी20 विश्व कप) टीम की घोषणा के बाद से काफी आलोचना हुई है. मुझे लगता है कि हमें टीम की आलोचना करनी चाहिए लेकिन खिलाड़ियों के नाम का जिक्र नहीं करना चाहिए क्योंकि न्यूजीलैंड और इंग्लैंड के पाकिस्तान के दौरे रद्द होने के बाद से हमारा क्रिकेट मुश्किल दौर से गुजर रहा है. यह खिलाड़ियों का मनोबल गिराने के बजाय उनका समर्थन करने का समय है.

खिलाड़ियों का साथ दें : गुल

400 से अधिक अंतरराष्ट्रीय विकेट लेने वाले 37 वर्षीय पूर्व तेज गेंदबाज ने कहा कि क्रिकेटरों को भी आलोचना को दिल से नहीं लेना चाहिए और क्षमता से प्रदर्शन करते रहना चाहिए.

उन्होंने कहा, 'खिलाड़ियों को भी दबाव में आने के बजाय इस आलोचना को सकारात्मक रूप से लेना चाहिए. मैंने भी ऐसा ही किया. जब मैंने अपने करियर के दौरान ऐसी स्थिति का सामना किया और मैदान पर अपने प्रदर्शन के माध्यम से अपने आलोचकों को जवाब देने की कोशिश की. चल रहे राष्ट्रीय टी 20 कप खिलाड़ियों के लिए अपना आत्मविश्वास फिर से हासिल करने का भी अच्छा मौका है.

दबाव नहीं लेना है : गुल

भारत के खिलाफ उच्च दबाव वाले मैच से पहले टीम पर अतिरिक्त दबाव पर गुल ने कहा, 'भारत मैच का अतिरिक्त दबाव है क्योंकि पूरा देश चाहता है कि आप उन्हें हराएं. मेरा सुझाव है कि खिलाड़ियों को अपना स्वाभाविक खेल खेलना चाहिए. खिलड़ियों को दबाव को अपने उपर नहीं हावी होने देना चाहिए क्योंकि यह एक हाई-वोल्टेज मैच है. मैं यह भी सलाह दूंगा कि दो से तीन दिन पहले खासकर भारत के मैच के दौरान, खिलाड़ियों को सोशल और पारंपरिक मीडिया से बचना चाहिए.

9 साल से टी20 में भारत से नहीं जीता पाकिस्तान

भारत और पाकिस्तान के बीच टी20 में अब तक कुल 8 मुकाबले हुए हैं, जिसमें से टीम इंडिया ने 7 में जीत दर्ज की है, जबकि पाकिस्तान ने महज एक मुकाबले में जीत दर्ज की. बता दें कि पाकिस्तान को भारत पर आखिरी बार जीत साल 2012 में मिली थी. ऐसे में पाकिस्तान की टीम 9 साल से भारत पर जीत के लिए तरस रही है.

यशस्वी जायसवाल ने 19 गेंद में जड़े 50 रन, विराट भैया की सलाह काम आयी

नई दिल्ली। यशस्वी जायसवाल आईपीएल 2021 में एक बार 49 रन बना चुके थे लेकिन आईपीएल 2021 में अपना पहला अर्धशतक बनाने से चूक रहे थे। पिछले मुकाबले में उन्होंने कहा था कि उन्होंने विराट कोहली से लंबी पारी खेलने की सलाह ली थी। आज वह बहुत लंबी पारी तो नहीं पर कम गेंदो पर उपयोगी अर्धशतक बना पाए। बुधवार को आरसीबी के हाथों हार के बाद रॉयल्स के कई युवा खिलाड़ियों ने कोहली से लंबी बातचीत की। इनमें जायसवाल भी शामिल थे।राजस्थान रॉयल्स ने एक वीडियो जारी किया है जिसमें जायसवाल ने कहा था, ''मैं जानना चाहता था कि बड़े स्कोर कैसे बनाने हैं। मैंने विराट भैया से इसी बारे में बात की जैसे कि मैं प्रभाव कैसे छोड़ूं और अपनी टीम की मदद कैसे कर सकता हूं।''आज उनके विराट भैया की सलाह काम आयी और उन्होंने अपने करियर का पहला आईपीएल अर्धशतक पूरा किया।

धूमपान से कैंसर होने के सुबूत नहीं, बीमा कंपनी दावे का भुगतान करे

अहमदाबाद।

एक उपभोक्ता अदालत ने बीमा कंपनी को फेफड़ों के कैंसर के इलाज पर खर्च की गई राशि का भुगतान करने का आदेश दिया है। बीमा कंपनी ने यह कहते हुए दावे का भुगतान करने से इन्कार कर दिया था कि रोगी धूमपान का आदी था, जिसके चलते उसे यह बीमारी हुई। अदालत ने कहा कि यह साबित करने के लिए कोई साक्ष्य नहीं मिला कि रोगी को फेफड़े का कैंसर धूमपान के कारण हुआ, सिवाय उपचार के कागजात पर एडिक्शन स्मोकिंग के उल्लेख के। अदालत ने कहा कि यह बीमा कंपनी के लिए उसके दावे को अस्वीकार करने का आधार नहीं बन सकता है। अदालत के मुताबिक, जो लोग धूमपान नहीं करते हैं, उन्हें भी फेफड़ों का कैंसर होता है।

गौरतलब है कि बीमा कंपनी ने बीमा धारक आलोक कुमार बनर्जी के एक निजी अस्पताल में फेफड़ों के कैंसर के इलाज पर किए गए ९३,२९७ रुपये खर्च के दावे को इस आधार पर खारिज कर दिया था कि वह धूमपान का आदी था। उसके इलाज के दस्तावेज में इस बात का उल्लेख किया गया था। बनर्जी की पत्नी स्मिता ने उपभोक्ता शिक्षा व अनुसंधान केंद्र के साथ मिलकर अहमदाबाद उपभोक्ता विवाद निवारण आयोग में इसे चुनौती दी थी। गौरतलब है कि तंबाकू के उपयोग की वजह से कैंसर की चपेट में आने वाले लोगों में पुरुषों का प्रतिशत महिलाओं के मुकाबले तीन गुना रहा। राष्ट्रीय कैंसर रजिस्ट्री कार्यक्रम (एनसीआरपी) के तहत वर्ष २०१२ से २०१९ के बीच सामने आए और विश्लेषण किए गए कैंसर के ६.१० लाख मामलों में से ५२.४ प्रतिशत पुरुषों व ४७.६ फीसद महिलाओं में दर्ज किए गए।

क्लीनिकोपैथोलाजिकल प्रोफाइल आफ कैंसर्स इन इंडिया : ए रिपोर्ट आफ हास्पिटल बेस्ड कैंसर रजिस्ट्रीज-२०२१ के अनुसार, बचपन (०-१४ वर्ष) में होने वाले कैंसर के मामले सभी कैंसर के ७.९ फीसद थे। तंबाकू के उपयोग से जुड़े कैंसर पर गौर करें तो पुरुषों में ४८.७ प्रतिशत और महिलाओं में १६.५ फीसद मामले सामने आए। वर्ष २०१२-१९ के दौरान एनसीआरपी के तहत कैंसर के कुल १३,३२,२०७ मामले पंजीकृत किए गए। इनमें ६,१०,०८४ मामलों का विश्लेषण किया गया। यह रिपोर्ट भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (आइसीएमआर)- राष्ट्रीय रोग सूचना विज्ञान एवं अनुसंधान केंद्र, बेंगलुरु द्वारा तैयार की गई।

जीवन ज्योत चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा साहिल साहू का पार्थिव शरीर मध्य प्रदेश भेजा गया

सूरत भूमि, सूरत। कुछ दिन पहले साहिल साहू सूरत घूमने अपने मामा के घर आशुतोष साहू के यहां आए थे. जो अंकलेश्वर में रहते थे। एक दिन अचानक उनके भांजे साहिल की तबीयत काफी खराब हो गई उसके बाद आशुतोष द्वारा साहिल को डॉक्टर को दिखाया गया। रिपोर्ट में डेंगू निकला उसके पश्चात कुछ दिन बाद साहिल के ब्रेन में बहुत ज्यादा बुखार हो गया, जिसके कारण वह कोमा में चले गए और उनका देहांत हो गया। जिसकी सूचना उनके माता-पिता को भी नहीं थी इधर इनके मामा आशुतोष साहू परेशान हो गए और उन्होंने सूरत में अपने मित्र सुभाष से संपर्क कर उनके गांव रीवा मध्य प्रदेश ले जाने की बात बताई और कहा कुछ मदद कीजिए, इस पर उन्होंने जीवन ज्योत चैरिटेबल ट्रस्ट के संस्थापक कुंदन झा से संपर्क किया और पूरी बात बताई तब संस्था के संस्थापक कुंदन झा ने एंबुलेंस की व्यवस्था कर साहिल के पार्थिव शरीर को उनके गांव रीवा मध्य प्रदेश भिजवाया। कुंदन झा ने बताया कि समाज को जब भी हमारी जरूरत पड़ेगी तब मैं पीछे नहीं हटूंगा।

वार्ड नंबर 27 डिंडोली दक्षिण भाजपा कार्यकर्ताओं द्वारा शासक पक्ष नेता का जन्मदिन मनाया गया

सूरत भूमि, सूरत। डिंडोली भारतीय जनता पार्टी कार्यालय पर सूरत महानगर पालिका के शासक पक्ष नेता अमित सिंह राजपूत के जन्मदिन के अवसर पर विधवा बहनों को किट वितरित की गई। इस अवसर पर उपस्थित विस्तार के कार्यकर्ताओं द्वारा अमित सिंह राजपूत जी का स्वागत किया गया। इस अवसर पर अमित सिंह ने कहा कि अगर आधी रात को भी किसी भी व्यक्ति को हमारी जरूरत पड़ेगी तो मैं हमेशा तैयार हूं इस अवसर पर उपस्थित धर्मात्मा त्रिपाठी हरकेश सिंह उर्फ बबलू शंकर दुबे गुलजारी उपाध्याय गुलाब वलसाले, संदीप तोरवड़े, रवि भाई, प्रमोद तिवारी,अशोक कुमार तिवारी, संतोष शाह, यशराज मौर्या तथा अन्य कार्यकर्ता उपस्थित थे। इस अवसर पर वार्ड नंबर 27 डिंडोली के पार्षद सुधाकर चौधरी, पार्षद भाईदास पाटिल, पार्षद शशि बहन धर्मात्मा त्रिपाठी, पार्षद निराला हरकेश सिंह राजपूत. शिक्षण समिति के सभ्य शुभम उपाध्याय उपस्थित थे।

लोन की लालच देकर वकील से १.३ लाख वसूल लिया

अहमदाबाद।

अहमदाबाद के चाणक्यपुरी क्षेत्र में रहते एक ३८ वर्षीय वकील ने रमाकांत साहू नाम की व्यक्ति के खिलाफ धोखाधड़ी और विश्वासघात की शिकायत दर्ज कराई है। वकील की शिकायत के अनुसार, रमाकांत सेतु ने खुद को ह्युमन राइट्स कमिश्न का सदस्य बताया था और प्रधानमंत्री स्वरोजगार योजना के तहत लोन दिलाने का वचन देकर डेढ़ लाख रुपया वसूल लिया था। सोला पुलिस स्टेशन में दर्ज की गई शिकायत में केतन वराडिया ने बताया है कि, उनके पिता भी वकील है। कोरोना महामारी की वजह से परिवार वित्तीय तंगी का सामना कर रहा है इसलिए उन्होंने अलग-अलग स्थलों पर लोन के लिए पूछताछ की थी। इस दौरान वह ओढव क्षेत्र में रहते रमाकांत सेतु के संपर्क में आया था। रमाकांत ने उनको बताया कि, इसके पहले ह्युमन राइट्स कमिश्न के सदस्य थे और अभी क्रिष्ना सोल्युशन के कर्मचारी है और प्रधानमंत्री स्वरोजगार योजना पर काम करते है। रमाकांत ने बताया कि वह लोगों को लोन लेने के लिए मदद करते है। शिकायत के अनुसार, वकील को १५ लाख रुपये की जरूरत थी। रमाकांत ने वकील से सबसे पहले ७५,००० रुपया मांगा। वकील ने ५०,००० रुपया नकद और ५००० डीजिटल वोलेट के माध्यम से चुकाया। इसके अलावा रमाकांत को जरूरी दस्तावेज भी दिया। २६ जुलाई को रमाकांत ने फोन करके कहा है कि आज यह योजना के लिए अर्जी करने का अंतिम दिन है, तो यदि परिवार के अन्य कोई सदस्य को भी लोन के लिए मदद चाहिए तो मुझे बताओ। रमाकांत ने वकील के पिता को भी लोन के लिए अर्जी करने की सलाह दी। वकील ने रमाकांत को ज्यादा पैसा चुकाया और पिता के लिए अर्जी कराई। रमाकांत साहू ने बताया है कि यह लोन ८ अगस्त तक में क्लिअर हो जाएगा। यदि क्लिअर नहीं होगा तो एक्सिस बैंक का चेक भी दिया था।

शादी के बाद विवाहिता को मालूम हुआ कि इसका पति नपुंसक है

शादी के १० दिन के बाद भी पति पत्नी के साथ संबंध नहीं बनाता था : पति को पूछने पर मामला सामने आया

अहमदाबाद।

वैवाहिक जीवन में अब ऐसे मामले सामने आ रहे है, जिसे जानकर दुनिया भी चौंक जाए। अब अहमदाबाद की एक विवाहिता का मामला सामने आया है। शादी के बाद विवाहिता को मालूम हुआ कि इसका पति नपुंसक है। यह हुआ था कि, शाहीबाग में रहती एक युवती की शादी अहमदाबाद के एक युवक के साथ हुई थी। इसके बाद युवती और युवक शादी के बाद मुंबई स्थायी हुए थे। शादी के १० दिन के बाद भी पति अपनी पत्नी के साथ शारीरिक संबंध नहीं बनाता था। यह जानकर पत्नी को कुछ अजीब लगता था। आखिर में इसने पत्नी को पूछा कि, आखिर में पति क्यों इसके साथ ऐसा व्यवहार करता है। तब पति ने जबाव दिया था कि वह नपुंसक है। पति के मुंह यह बात सुनकर पत्नी के पैर के नीचे से जमीन खिसक गई थी। यह मामले में पत्नी ने अहमदाबाद रहते सास-ससुर को शिकायत की थी। इसने सास-ससुर को शिकायत की कि, आपको यह बात की खबर थी कि, आखिर में आपने जिस बेटे की शादी कराई। अब सास-ससुर ने जबाव दिया था कि, आपके मां-पिता ने शादी करने से पहले जांच कर लेनी चाहिए थी हमने तो समाज में अच्छा बताने के लिए हमारे बेटे की शादी कराई थी। यह जानकर बहू अपने माइके में आ गई थी। पति के नपुंसकता का पोल खुल जाने पर ससुराल पक्ष के लोगों द्वारा विवाहिता पर तलाक के लिए दबाव किया गया। आखिर में कोई समाधान नहीं होने पर पति-सास -ससुर, देवर और बुआ सास के खिलाफ वेस्ट महिला पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई है।

अवैध ढंग से बनी बिल्डींग बाबा मेमोरियल हॉस्पिटल से मनपा लिंबायत जोन के जोनल आर. जे. माकड़िया की इमानदारी झलक रही है

सूरत भूमि, सूरत।

शहर के डिंडोली विस्तार में ओवर ब्रिज के पास मेन रोड पर बनी बिल्डिंग बाबा मेमोरियल हॉस्पिटल जो 5 माड़ में तैयार की जा रही है यह बिल्डिंग इस बात का प्रतीक हैं की लिंबायत जोन के जोनल चीफ आर. जे. माकड़िया तथा अन्य कर्मचारी कितने ईमानदार हैं यह प्रश्न चिन्ह लग सकता है। क्योंकि बिल्डिंग का मालिक कोरोना काल में लोगों की इतनी अच्छी सेवा किया की बाबा मेमोरियल को 2015-16 में जो 3 माड़ तक तैयार किया गया था उसे आज 5 मंजिला इमारत बना दिया जा रहा है। जिस इमारत के विरुद्ध शहर के सैकड़ों लोग आवेदन दिए हैं लेकिन जोन के अधिकारियों द्वारा इन इमारत की कमियों को छुपाने के लिए अरजी निवारण केंद्र बनाया गया। जिससे अरजदार और मृत मालिक को आमने सामने खड़ा कर दिया जाता है और दोनों का जवाब लिखकर अरजी फाइल कर दी जाती है। यह नया संविधान लिंबायत जोन के आईएएस ऑफिसर आर.जे. माकड़िया साहब ने निकाला चाहे अरजदारों की विस्तार में हत्या क्यों न कर दी जाए। लेकिन माकड़िया साहब को बिल्डिंग के विरुद्ध कार्यवाही नहीं करना है, क्योंकि या तो अधिकारी हाथ काला कर बैठे हैं या तो नौकरी से डर रहे हैं कुछ ना कुछ संगीन समस्या तो है जिससे एक आईएएस ऑफिसर एक बिल्डिंग मालिक के सामने नतमस्तक हो बैठा है। ठीक इसी तरह इस विस्तार में एक नहीं कई कई सोसायटीओं में जनता के सुख सुविधा छीन कर बिल्डरों द्वारा शॉपिंग सेंटर तैयार कर लिया गया। यहां तक की उसको एक बार नहीं दो-दो तीन-तीन बार नोटिस और मनाई हुक्म दिया गया और डेमोलेशन भी किया गया।

नवागाम डिंडोली अश्वनी पार्क सोसाइटी में उत्तर भारतीय ब्राह्मण समाज के प्रमुख राजाराम मिश्रा का स्वागत समारोह संपन्न

सूरत भूमि, सूरत।

शहर के डिंडोली विस्तार अश्वनी पार्क सोसाइटी में विजय पांडे द्वारा कार्यालय पर उत्तर भारतीय ब्राह्मण समाज के प्रमुख का जबरदस्त स्वागत समारोह कार्यक्रम मनाया गया। जिस कार्यक्रम में समाज के अधिक से अधिक लोगों ने सैकड़ों की संख्या में उपस्थित होकर माल्यार्पण कर स्वागत किए और ब्राह्मण समाज के रहन सहन पर अपना अपना वक्तव्य भी दिए। जिसमें सर्वेश ने अपने वक्तव्य में भगवान परशुराम के 9 गुणों का वर्णन करते हुए लोगों को समझाया और बताया कि भगवान राम जी भगवान परशुराम के सामने हाथ जोड़कर क्षमा प्रार्थना किए और भगवान राम ने कहा कि मैं तो आपका ही एक दास हूं इसी तरह लोगों ने ब्राह्मण समाज की अलग-अलग व्याख्या करते हुए समाज के लोगों को जागृत किया और ब्राह्मण के कर्तव्य का पालन करने के लिए जागृत किया क्योंकि ब्राह्मण एकमात्र ऐसा इंसान है जो राष्ट्र के लिए धर्म के लिए हमेशा अपना त्याग दिया है इसके लिए पुराण और इतिहास दोनों गवाह है आज हम अलग-अलग खेमे में बैठकर इतना कमजोर हो गए हैं कि जो भी चाहता है वह हमको दबा देता हैं।

कनकपुर कंसार नगर पालिका के पूर्व शासक पक्ष नेता राजकुमार सिंह द्वारा डिंडोली एंपोरिया बिजनेस हब मार्केट में वर्तमान मनपा शासक पक्ष नेता अमित सिंह का जन्मदिन मनाया गया

सूरत भूमि, सूरत।

शहर के डिंडोली करड़वा विस्तार की एंपोरिया बिजनेस हब मार्केट में 101 नंबर में उत्तर भारतीय विकास परिषद के कार्यालय में मनपा शासक पक्ष नेता अमित सिंह के जन्मदिन पर केक काटकर खुशियां मनाई गई। जिसमें विस्तार के वरिष्ठ लोग उपस्थित थे जिसमें उत्तर भारतीय विकास परिषद सूरत शहर के संचालक राजनाथ मिश्रा, संजय मिश्रा तथा संस्था से जुड़े काशी प्रसाद तिवारी, रामलाल पांडे, जितेंद्र मिश्रा, प्रमोद तिवारी, सुनील शुक्ला, जयप्रकाश तिवारी, विनोद तिवारी, बृजेश महाराज, सुरेश मिश्रा, सुरेश गैरेज वाले तथा समाज के अन्य तमाम लोग शामिल थे। लोगों की उपस्थिति से ऐसा लग रहा था उत्तर भारतीय समाज अपने शासक पक्ष नेता का जन्मदिन मनाने में काफी हर्षोल्लास उत्पन्न कर रहा है। इस तरह लोगों ने सर्वप्रथम जन्मदिन के कार्यक्रम में भगवान की प्रतिमा के सामने बजरंगबली की वंदना व हनुमान चालीसा गाकर शासक पक्ष नेता अमित सिंह के हाथों नारियल फुड़वा कर, केक कटवा कर जन्मदिन की खुशियां मनाई गई और हम लोग बारी बारी से माल्यार्पण कर स्वागत भी किए।

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, सम्पादक: संजय रमाशंकर मिश्रा द्वारा ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सुरत (गुजरात) प्रिन्टर्स- भूनेश्वरा प्रिन्टर्स, प्लाट नं. 29, परमानन्द इण्डस्ट्रीयल सोसायटी, चौकसी मील के पास, उधना मगदल्ला रोड़ (गुजरात) से मुद्रित एवं ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सूरत (गुजरात) से प्रकाशित। कार्यालय फोन: 0261-2274271, (न्यायिक क्षेत्र सूरत रहेगा)